राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 04 दिसंबर 2023 वर्ष–6,अंक–309 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी मैजिक चला...

भाजपा ने मप्र में फिर रण जीता,

छत्तीसगढ़-राजस्थान को कांग्रेस से छीना

नई दिल्ली ।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सहित देश के पांच राज्यों में मोदी का जादू चला। भाजपा ने मप्र मे फिर प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज की, तो छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी भाजपा ने अप्रत्याशित प्रदर्शन करते हुए दोनों राज्य कांग्रेस के हाथों से छीन लिए। इसके साथ भाजपा ने अगले साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए जीत का रास्ता मजबूती से प्रशस्त कर लिया। इसके उलट कांग्रेस की गारंटियों और उसके घोषणा पत्र को जनता ने सिरे से नकारते हुए सूपड़ा साफ दिया। इसके अलावा संगठन की लचरता और जनता का नेतृत्व पर भरोसा नहीं होना भी इन राज्यों में कांग्रेस की हार की बड़ी वजह रही। भाजपा को मप्र में 230 में से 161, राजस्थान में 199 में से 114 और छत्तीसगढ़ में 90 सीटों में से 55 सीटें हासिल हो रही हैं। मप्र, छत्तीसगढ़ और राजस्थान तीनों ही राज्यों में भाजपा के अप्रत्याशित प्रदर्शन से एक बार फिर ब्रांड मोदी चमका है। पीएम नरेंद्र मोदी के, मोदी हर गारंटी, की गारंटी के वादे पर जनता ने भरोसा जताया है। इसके साथ शिवराज की लाड़ली बहनों ने भाजपा पर खासा दुलार दिखाया है।

तीनों ही राज्यों में भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए टिकटें बांट दी थी, लेकिन मुख्यमंत्री का चेहरा किसी भी राज्य में घोषित नहीं किया था। जबकि 2018 में भाजपा ने मप्र में शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान में वसुंधरा राजे और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया था। इसका नतीजा ये हुआ था कि तीनों ही राज्यों में भाजपा हार गई थी। इस बार भाजपा ने ऐसा नहीं किया।

भाजपा ने तीनों हिन्दी भाषी राज्यों में पीएम मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा और उसका बड़ा असर हुंआ। चुनाव के दौरान तीनों राज्यों में पीएम मोदी ने ताबड़तोड़ रैलियां और रोड शो किए। भाजपा के चुनावी नारे भी पीएम मोदी के इर्द-गिर्द ही रहे। भाजपा ने मप्र में में एमपी के मन में मोदी है ,और राजस्थान में मोदी साथ अपनो राजस्थान का नारा दिया। मप्र में पीएम मोदी ने 15 रैलियां कीं। इंदौर में बड़ा रोड शो किया। राजस्थान में 15 रैलियां और रोड शो किए। जबकि, छत्तीसगढ़ में पीएम मोदी ने चार रैलियां और सभाएं की। मप्र के सीएम शिवराज ने चुनाव में कड़ी मेहनत करते हुए 165 से रैलियां और सभाएं की।

अमित शाह ने समर्थन के लिए तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने विधानसभा चुनाव में उत्साहजनक समर्थन के लिए तेलंगाना के लोगों का आभार जताया। शाह ने एक्स पर एक ट्वीट में कहा, समर्थन को प्रोत्साहित करने के लिए तेलंगाना के लोगों का आभार। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा तेलंगाना के विकास के लिए काम करना जारी रखेगी। लोगों के सहयोग से हम निश्चित रूप से तेलंगाना को एक समृद्ध राज्य बनाएंगे। तेलंगाना भाजपा के कार्यकर्ताओं और प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी को उनके अथक प्रयासों के लिए हार्दिक धन्यवाद। तेलंगाना में कांग्रेस 63 सीटों पर, बीआरएस 40 सीटों पर, भाजपा आठ सीटों पर और सीपीआई एक सीट पर आगे चल रही है।

प्रधानमंत्री मोदी का जादू रहा बरकरार

चारों राज्यों में आए चमत्कारिक परिणाम

3 पर भाजपा तो एक पर कांग्रेस एग्जिट पोल्स नहीं पढ़ पाए जनता के मन की बात

नई दिल्ली.

भारतीय जनता पार्टी ने पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे को आगे रख कर लड़ा था, ऐसे में चार राज्यों में से तीन पर भाजपा का आना साबित करता है कि प्रधानमंत्री मोदी का जादू बरकरार है. रविवार 3 दिसंबर को राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ यानी 3 राज्यों की अप्रत्याशित जीत सही मायने में प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर मोहर लगाने जैसी रही है. ऐसे में कहा जा रहा है कि अधिकांश एग्जिट पोल्स भी जनता के मन की बात को नहीं भांप पाए और उन्होंने जो अनुमान लगाया उससे कहीं ज्यादा सीटों के साथ भाजपा तीन राज्यों में सत्ता में आती दिख रही है.

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना की कुल 639 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव के परिणाम आज रविवार को घोषित करने के लिए मतगणना जारी है। मतगणना के साथ जो रुझान सामने आए हैं, उसमें मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भाजपा बहुमत से ज्यादा सीटें लेती नजर आ रही है, जबकि कांग्रेस ने तेलंगाना में बीआरएस को मुकाबले में सीधी टक्कर देते हुए पीछे छोड़ सरकार बनाने का आंकड़ा पार करने का रुझान पाया है. एक अन्य राज्य मिजोरम में विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना कल सोमबार को होना है. मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला है।

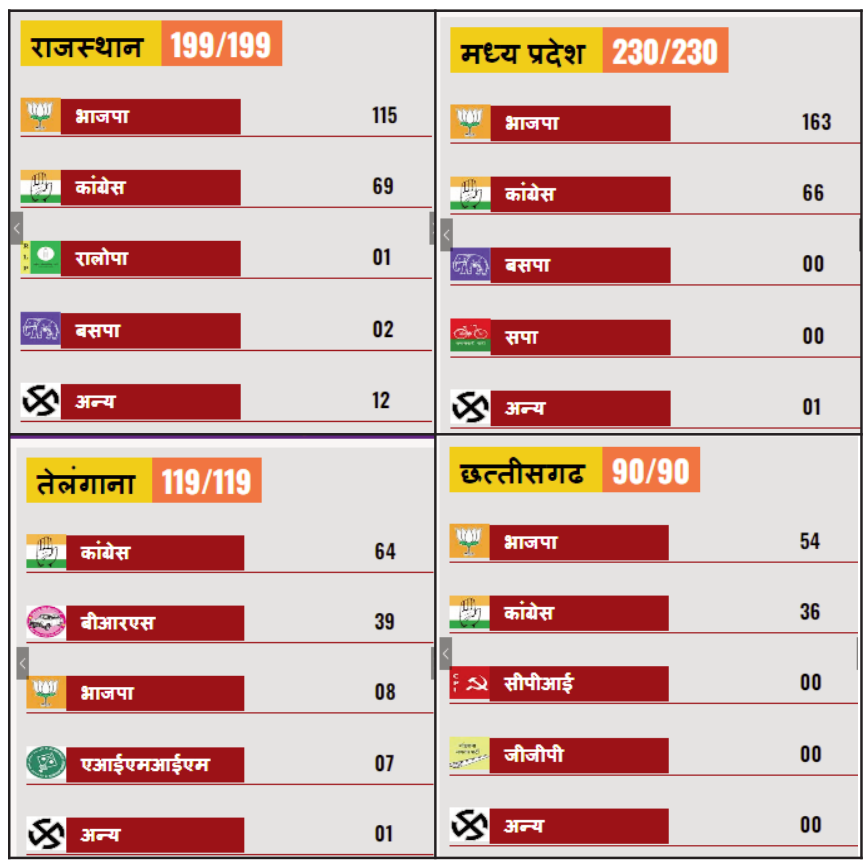

मध्य प्रदेश में भाजपा ने कांग्रेस को बहुत पीछे छोड़ा

शाम सात बजे तक की मतगणना के अनुसार मध्य प्रदेश में भाजपा ने 100 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है और 64 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है. यहां कांग्रेस ने 28 सीटों को जीत, 37 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है. इनके अतिरिक्त 1 सीट पर भारत आदिवासी पार्टी को बढ़त मिली है. इस प्रकार मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में भाजपा ने 164 सीट पर काबिज होने का रुझान पाया है। यहां कांग्रेस 65 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि एक सीट पर भारत आदिवासी पार्टी के प्रत्याशी ने बढ़त बनाई है। नतीजों व रुझान को देखते हुए मध्य प्रदेश में भाजपा नेताओं ने जश्न मनाना शुरु कर दिया है. खुशी के साथ एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते कार्यकर्ता व नेता फोटो व वीडियो भी वायरल कर रहे हैं। भोपाल स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर ठुमके लगाए हैं.

राजस्थान का रिवाज बरकरार

राजस्थान में भाजपा को 115 सीट 109 जीतीं, 6 पर आगे, कांग्रेस 61 जीती और 8 पर बढ़त बनाए हुए है, भारत आदिवासी ने 3 सीटें जीत ली हैं, बसपा ने 2 सीटों पर जीत हासिल की है, राष्ट्रीय लोकदल एक पर आगे है, जबकि 5 निर्दलीय जीतें और 3 पर बढ़त बनाए हुए हैं. इस तरह से राजस्थान में भी भाजपा ने सत्तारूढ़ कांग्रेस को टक्कर देते हुए बहुमत के आंकड़े से आगे निकल गई है. दरअसल यहां का मतदाता हर पांच साल में सत्ता धारी पार्टी को बदलने का मिजाज रखती है. भाजपा की जीती हुई सीटों और रुझान ने यह साबित कर दिया है कि राजस्थान में रिवाज कायम है।

छत्तीसगढ़ में दिखा मोदी का जादू

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 26 सीटें जीत लीं है, जबकि 28 पर बढ़त बनाए हुए है. कांग्रेस ने 17 जीती हैं और 19 पर बढ़त बनाए हुए है. इससे पहले छत्तीसगढ़ में शुरुआती रुझानों में सत्तारूढ़ कांग्रेस, बीजेपी से आगे थी और बीच में लगा कि दोनों के बीच कांटे का मुकाबला होने जा रहा है, लेकिन जैसे-जैसे शाम होने को आई भाजपा ने अच्छी-खासी बढ़त हासिल कर ली। यहां की 90 में से 54 सीटों पर बीजेपी आगे है जबकि कांग्रेस 36 सीट पर बढ़त बनाए हुए है। यहां सीधे तौर पर प्रधानमंत्री मोदी के जादू के चलने की बात की जा रही है, क्योंकि कांग्रेस बहुत मजबूती से चुनाव मैदान में उतरी थी.

तेलंगाना में राहुल ने पलटी बाजी

तेलंगाना में कांग्रेस ने 52 सीटों पर जीत दर्ज की है और 12 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है. बीआरएस ने 30 सीटें जीती हैं और 9 पर बढ़त बनाए हुए है. यहां भाजपा ने भी बेहतर परफार्म करते हुए 7 सीटों पर जीत दर्ज की है और 1 पर बढ़त कायम है. एआईएमआईएम ने 2 सीटें जीती हैं और 5 में बढ़त बनाए हुए है, सीपीआई ने 1 सीट जीती है. इस प्रकार जहां तेलंगाना में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बाजी को पलटने जैसा काम किया वहीं हैट्रिक की उम्मीद लगाए बैठे केसीआर की बीआरएस को तगड़ा झटका लग चुका है.

नतीजे अप्रत्याशित, कांग्रेस की हार के कारणों की करेंगे जांच: अशोक गहलोत

नई दिल्ली।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को राज्य में विधानसभा चुनाव में हार स्वीकार करते हुए कहा कि नतीजे अप्रत्याशित थे और पार्टी उन कारणों की जांच करेगी, जिनके कारण हार हुई।राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे गहलोत ने मीडिया से कहा, मैं कहता रहा हूं कि लोग सर्वोच्च हैं। विधानसभा चुनाव परिणाम अप्रत्याशित हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस उम्मीद कर रही थी कि जनता का जनादेश उसके पक्ष में होगा। लेकिन, हम परिणाम को पूरी विनम्रता के साथ स्वीकार करते हैं। हम नई सरकार को बधाई देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे लोगों के लिए काम करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी राज्य सरकार की योजनाओं को लोगों तक नहीं ले जा पा रही है, तो गहलोत ने कहा, मुझे लगता है कि राजस्थान सरकार की योजनाएं अच्छी थीं और पूरे देश में उनकी चर्चा हुई और गारंटी भी अच्छी थी। लेकिन छत्तीसगढ़ में और मध्य प्रदेश में भी नतीजे हमारे अनुकूल नहीं रहे, ये अप्रत्याशित थे। उन्होंने कहा, हम उन कारणों की पड़ताल करेंगे, जिनके कारण इन तीन राज्यों में पार्टी की हार हुई।

अशोक गहलोत ने दिया इस्तीफा

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बाद अशोक गहलोत ने रविवार शाम को राजस्थान के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। आज विधानसभा चुनाव की मतगणना में भाजपा को बहुमत से अधिक जनादेश मिला है। शाम होते-होते मतगणना के रुझान भाजपा को बढ़त दिलाते हुए स्थिर हो गए, जिसके बाद मुख्यमंत्री गहलोत राज्यपाल कलराज मिश्र के आवास पर पहुंचे और उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया।

राहुल ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में मिले जनादेश को स्वीकार किया, बोले-

विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी

नई दिल्ली।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों में लोगों के जनादेश को स्वीकार किया और कहा कि विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी।उन्होंने पार्टी को जनादेश देने के लिए तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि वह 'प्रजालु तेलंगाना' के वादे को पूरा करेगी। सभी चुनावी राज्यों में बड़े पैमाने पर प्रचार करने वाले राहुल गांधी ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, हम विनम्रतापूर्वक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के जनादेश को स्वीकार करते हैं - विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं तेलंगाना के लोगों का बहुत आभारी हूं - हम प्रजालु तेलंगाना बनाने का वादा जरूर पूरा करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। उनकी टिप्पणी राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार के बाद आई है, जबकि वह तेलंगाना में जीतने में कामयाब रही। राहुल गांधी ने इस साल 25 अगस्त से इन चार चुनावी राज्यों में 64 रैलियां और रोड शो किया था। इस बीच, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'तेलंगाना के लोगों ने इतिहास रचा है और कांग्रेस पार्टी के पक्ष में जनादेश दिया है। यह तेलंगाना के लोगों की जीत है। यह तेलंगाना के लोगों, और कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता की जीत है।' उन्होंने तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद दिया।उन्होंने कहा, कांग्रेस तेलंगाना में शांति, समृद्धि और प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लोगों ने कांग्रेस पार्टी को विपक्ष की भूमिका सौंपी है। हम विनम्रता के साथ लोगों के जनादेश को स्वीकार करते हैं। इस बीच, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी कहा कि 2003 में पार्टी को ऐसे ही नतीजे मिले थे, लेकिन 2004 के आम चुनाव में उसने वापसी की और सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और सरकार बनाई थी। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'ठीक 20 साल पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा चुनाव हार गई थी, जबकि केवल दिल्ली में जीत हासिल की थी, लेकिन कुछ महीनों के भीतर पार्टी ने वापसी की और आगे बढ़ी, लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और केंद्र में सरकार बनाई।

खडगे ने जनादेश के लिए तेलंगाना की जनता को धन्यवाद दिया, कहा- एमपी, छत्तीसगढ़, राजस्थान के नतीजे निराशाजनक, लेकिन कांग्रेस को पुनर्जीवित करेंगे

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को तेलंगाना में पार्टी को जनादेश देने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया और यह भी कहा कि हालांकि छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में उसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, लेकिन दृढ़ संकल्प के साथ इन तीन राज्यों में हम खुद को पुनर्जीवित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस अस्थायी असफलताओं से उबरेगी और इंडिया गठबंधन की पार्टियों के साथ आगामी 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए पूरी तैयारी करेगी। खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं तेलंगाना के लोगों को उनसे मिले जनादेश के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं उन सभी को भी धन्यवाद देता हूं जिन्होंने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हमें वोट दिया। इन तीन राज्यों में हमारा प्रदर्शन निस्संदेह निराशाजनक रहा है, लेकिन दृढ़ संकल्प के साथ हम इन तीन राज्यों में खुद को पुनर्निर्माण और पुनर्जीवित करने के अपने मजबूत संकल्प की पुष्टि करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इन चारों राज्यों में जोरदार चुनाव प्रचार किया। खड़गे ने कहा, मैं अपने लाखों कार्यकर्ताओं के प्रयासों को स्वीकार करता हूं और उनकी सराहना करता हूं। हम अस्थायी असफलताओं से उबरेंगे और भारतीय पार्टियों के साथ आगामी लोकसभा चुनावों के लिए खुद को पूरी तरह से तैयार करेंगे। उनकी यह टिप्पणी तेलंगाना में कांग्रेस को जनादेश मिलने के बाद आई है, जहां पार्टी 40 सीटों पर आगे चल रही है और 23 सीटों पर जीत हासिल कर चुकी है। वर्ष 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद पहली बार कांग्रेस राज्य में बहुमत की ओर बढ़ रही है।हालांकि, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में उसे भाजपा के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी है। कांग्रेस की नजर राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता बरकरार रखने पर थी, लेकिन वह बहुमत का आंकड़ा नहीं छू पाई। मध्य प्रदेश में, 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 150 से ज्यादा सीटें मिलती दिख रही हैं।

संपादकीय

स्वदेशी हथियार

ऐसे वक्त में जब भारत की सीमाओं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार सामरिक चुनौतियां मिल रही हैं, रक्षा तैयारियों में किसी तरह की सुस्ती घातक साबित हो सकती है। इसी चुनौती के मद्देनजर सेना की युद्धक क्षमताओं को बढ़ाने हेतु बृहस्पतिवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 2.23 लाख करोड़ रुपये की रक्षा अधिग्रहण परियोजनाओं को प्रारंभिक मंजूरी दी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दी गई है। कुल खरीद के 98 फीसदी उत्पाद घरेलू रक्षा उद्योगों से प्राप्त किए जाएंगे। निस्संदेह, इससे देश के रक्षा उद्योग को बड़ा संबल मिलेगा। वहीं, इससे हम हथियारों पर खर्च होने वाली दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी बचा सकते हैं। साथ ही देश में हथियारों के उत्पादन को गति मिलेगी और इस क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर भी सृजित होंगे। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी की बैठक में 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस और 156 प्रचंड लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की खरीद को मंजूरी दी गई। निस्संदेह, पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ लगातार चुनौतीपूर्ण स्थिति बने रहने के चलते देश अपनी तैयारियों में किसी तरह की ढील नहीं दे सकता। डीएसी का यह निर्णय भी सुखद है कि भारत की एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स द्वारा सुखोई लड़ाकू विमान के बेड़े को उन्नत करने के वायुसेना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। निस्संदेह, सेना की जरूरतों को देश के रक्षा उद्योग के जरिये पूरा करना एक दूरगामी पहल है। इतिहास गवाह है कि कारगिल युद्ध में जरूरी युद्धक सामग्री व भारी हथियारों के लिये जरूरी कल-पुर्जों को हासिल करने में देश को परेशानी का सामना करना पड़ा था। कई देशों ने संकट काल में मुंह फेर लिया था। लेकिन यहां ध्यान रखना जरूरी है कि रक्षा उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हों। ऐसा न हो कि चुनौतीपूर्ण स्थितियों में संकट के अनुरूप गुणवत्ता के हथियार न मिलने पर सेना को असहज व मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़े। आज दुनिया में बदलती युद्ध शैली और हथियारों के आधुनिकीकरण के चलते युद्ध बेहद जटिल स्थिति में जा पहुंचे हैं। थल सेना के मुकाबले वायुसेना व नौसेना की भूमिका को विस्तार मिल रहा है। इतना ही नहीं लड़ाकू हवाई जहाजों के मुकाबले युद्ध मिसाइल और ड्रोन केंद्रित हो चले हैं। कुल मिलाकर आज मानवीय शक्ति के बजाय उन्नत तकनीक पर आधारित हथियारों को तरजीह दी जा रही है। इसलिए भारतीय रक्षा उद्योग को बदलते वक्त की जरूरतों के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ना होगा। हमें रक्षा अनुसंधान व कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाली रक्षा तकनीकों पर विशेष ध्यान देना होगा। खासकर ऐसे समय पर जब चीन के साम्राज्यवादी मंसूबे हमें लद्दाख में लगातार परेशान करते रहे हैं। हालांकि, भारत ने चीन से लगती सीमा पर संरचनात्मक विकास को तरजीह दी है, लेकिन सेना का आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, 21वीं सदी की युद्धक रणनीतियों में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। उन्नत तकनीक व एआई आधारित आधुनिक हथियारों को प्राथमिकता दी जा रही है। यदि हम बदलते परिदृश्य के अनुरूप सेना को न ढाल पाये तो युद्ध के समय हमें बड़े संकट का सामना करना पड़ सकता है। निश्चित रूप से किसी भी तरह की चूक से हमारी संप्रुभता पर आंच आ सकती है। अकसर कहा जाता है कि 1962 के भारत -चीन युद्ध में यदि हमने वायुसेना का पहले उपयोग किया होता तो युद्ध की तसवीर बदल सकती थी।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

लगातार बढ़ रही है भारतीय नौसेना की ताकत

नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(भारतीय नौसेना दिवस (4 दिसम्बर) पर विशेष)

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2023 के नौसेना दिवस का विषय है 'समुद्री क्षेत्र में परिचालन दक्षता, तत्परता और मिशन उपलब्धि', जो समुद्री क्षेत्र में परिचालन दक्षता, तैयारियों और मिशन की उपलब्धि को बनाए रखने, देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने और समुद्री खतरों के खिलाफ सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय नौसेना के समर्पण पर प्रकाश डालता है।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूणः' अर्थात् जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें। भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया। भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

कांग्रेस राजस्थान व मध्यप्रदेश में बेअसर

पीएम मोदी ने राजस्थान में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां कीं, वहीं कांग्रेस की ओर से प्रचार का भार सीएम गहलोत के कंधों पर अधिक नजर आया।चुनाव प्रचार के लिए राहुल गांधी मैदान में उतरे तो लेकिन वह भी महज खानापूर्ति ही रही। चुनाव पूरी तरह से मोदी बनाम गहलोत हो गया और इसका लाभ भी बीजेपी को मिला।

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम एग्जिट पोल के विपरीत भाजपा के पक्ष में गए है।तेलंगाना में सत्ता हासिल करने व छत्तीसगढ़ में संतोषजनक टक्कर देने के अलावा कांग्रेस राजस्थान व मध्यप्रदेश में बेअसर ही रही।चुनाव में जातीय जनगणना का मुद्दा जहां उसे ले डूबा वही राजस्थान में गहलोत-पायलट टकराव, मध्यप्रदेश में कमलनाथ व दिग्विजय का बड़बोलापन कांग्रेस की हार का कारण बना है। राजस्थान राज्य में 9 बड़े कारण कांग्रेस की हार के बने है। पहला तो यही कि राजस्थान में रिवाज कायम रहा है जनता ने हमेशा सत्ता में बदलाव किया है। वही कांग्रेस की मुफ्त की रेवड़ी नहीं चली। कांग्रेस को गहलोत-पायलट विवाद महंगा पड़ गया। कन्हैया लाल हत्याकांड से चुनावी ध्रुवीकरण हुआ है।कांग्रेस चुनाव के कुछ महीने पहले तक गुटबाजी से जूझती नजर आई।अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच की खींचतान का भी कार्यकर्ताओं पर प्रतिकूल असर पड़ा, जनता के बीच गलत संदेश गया है। भले ही चुनाव से ठीक पहले दोनों ही नेता हम साथ-साथ हैं का संदेश देते नजर आए हो लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।कांग्रेस जहां गुटबाजी से जूझती रही, वहीं बीजेपी ने अंतर्कलह को कहीं बेहतर तरीके से हैंडल करती रही। बीजेपी ने गुटबाजी से पार पाने के लिए वसुंधरा राजे को न सिर्फ सीएम फेस घोषित करने से परहेज किया बल्कि बड़े नेताओं को चुनाव मैदान में उतार दिया था। नतीजा ये हुआ कि नेताओं ने अपनी साख बचाने के लिए उस सीट पर जोर लगाया और इसका सकारात्मक असर आसपास की सीटों पर भी पड़ा।राजस्थान का चुनाव मोदी बनाम गहलोत हो जाना भी कांग्रेस को भारी पड़ा है। पीएम मोदी के चेहरे ने कांग्रेस के जातिगत जनगणना के दांव की धार भी कुंद कर दी है। पीएम मोदी ने राजस्थान में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां कीं, वहीं कांग्रेस की ओर से प्रचार का भार सीएम गहलोत के कंधों पर अधिक नजर आया।चुनाव प्रचार के लिए राहुल गांधी मैदान में उतरे तो लेकिन वह भी महज खानापूर्ति ही रही। चुनाव पूरी तरह से मोदी बनाम गहलोत हो गया और इसका लाभ भी बीजेपी को मिला।अशोक गहलोत की सरकार ने चुनावी साल में एक के बाद एक चुनावी दांव चले,जिनमे चिरंजीवी योजना के तहत हेल्थ इंश्योरेंस की लिमिट बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने का वादा किया गया, सस्ते गैस सिलेंडर समेत कई लुभावनी योजनाओं पर पेपर लीक, लाल डायरी और भ्रष्टाचार के आरोप भारी पड़े।कांग्रेस की हार के पीछे बागी भी बड़ी वजह माने जा रहे हैं। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने के बाद कई नेताओं ने पार्टी से बगावत कर बतौर निर्दल उम्मीदवार ताल ठोक दी।कुछ बीजेपी और दूसरे दलों के टिकट पर भी मैदान में उतर गए।इन बागियों ने भी कांग्रेस का नुकसान किया है। इसके ठीक उलट बीजेपी ने एक-एक बागी को मनाने के लिए बड़े नेताओं को जिम्मेदारी दी और उनको मनाने की पूरी कोशिश की।कई बागी मान भी गए और बीजेपी को इसका लाभ मिला है। वही मध्यप्रदेश की राजनीति में यह चुनाव परिणाम लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इस परिणाम ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर कांग्रेस जो जीत की जोरदार ताल ठोक रही थी, उसे इतनी बुरी हार कैसे मिली? कारण चौंकाने वाले हैं, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ इन तीनों राज्यों में चुनाव के परिणाम पूरी तरह से बीजेपी के पक्ष मे रहे हैं। प्रचंड जीत की ओर जाते हुए बीजेपी के प्रदेश कार्यालयों में ढोल ढमाके बज रहे हैं, लड्डू बंट रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के खेमे में मायूसी है। जो लड्डू कांग्रेस कार्यालय में आए थे, वे वैसे ही रखे हुए हैं। सवाल यह है कि जो कांग्रेस 2019 में बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गई थी, वो ऐसा क्या हुआ कि 2023 के चुनाव परिणाम के रुझानों में अब तक बुरी तरह हार की कगार पर है। जिसका कारण एंटी इंकंबेंसी का कोई रोल नहीं रहा।बीजेपी एंटी इंकंबेंसी को नकारकर जीती है। राजनीति में यह शोध का विषय होना चाहिए। क्योंकि 18 साल बाद भी एक चुनाव होता है और किसी पार्टी को प्रचंड जीत मिलती है, वो भी 18 साल तक शासन में रहने के बाद। जबकि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बीजेपी सत्ता से चली गई पर 15 महीनों को छोड़कर एमपी में नहीं। दिग्गी कमलनाथ ने किसी को नहीं बढ़ने दिया।

कांग्रेस ने कमलनाथ और दिग्विजय सिंह से बड़ा नेता किसी को नहीं बनने दिया। दोनों नेता वयोवृद्ध हैं। कमलनाथ की उम्र 77 साल और दिग्विजय सिंह की उम्र 76 साल है।यूथ लीडर्स का कोई बैकअप नहीं ,किसी यूथ लीडर को आने नहीं दिया। ज्योतिरादित्य सिंधिया जो कांग्रेस में एक बड़ा कद थे। युवा थे, उन्हें भी दरकिनार कर दिया गया था। मजबूरन उन्हें बीजेपी का दामन थामना पड़ा। मध्यप्रदेश कांग्रेस में युवा नेतृत्व का बैकअप में नहीं बन पाया। केवल विक्रांत भूरिया यूथ कांग्रेस अध्यक्ष है, जो कांतिलाल भूरिया के बेटे हैं और पेशे से एमबीबीएस डॉक्टर हैं। उन पर भी वरिष्ठ कांग्रेसी और पूर्व मप्र कांग्रेस अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया की छाप है। कमलनाथ का अड़ियल रवैया, सबसे अहम बिंदू राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में यह है कि कमलनाथ में राजनीतिक नेतृत्व करने की क्षमता नहीं है, वो राजनेता कम और बड़ी कंपनी मैनेजर ज्यादा लगते हैं। वो राजनीतिक बैठकों में कार्पोरेट मीटिंग जैसा व्यवहार करते रहे हैं। कमलनाथ मिनटों के हिसाब से विधायकों को मिलने का समय देते थे। वो कहते थे चलो चलो , उन्हें जनता ने चलता कर दिया।कमलनाथ की छवि पर भारी शिवराज की छवि कांग्रेस में जहां कमलनाथ का रवैया तानाशाही रहा है, वहीं दूसरी ओर बीजेपी इसलिए आगे निकली कि एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान कमलनाथ के विपरीत जमीनी नेता हैं, वे लोगों और विधायकों की सुनते भी हैं, बोलते भी हैं। शिवराज सिंह चौहान की सरल छवि कमलनाथ की छवि पर भारी पड़ी है।कांग्रेस को अब सोचना होगा कि घिसे पिटे नेताओं पर भरोसा करने के बजाए नए बेदाग छवि के निष्ठावान कार्यकर्ताओ को आगे लाए, तभी कांग्रेस में कुछ जान आ सकती है।

(लेखक राजीनीतिक विश्लेषक व वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

चार राज्यों के चमत्कारिक चुनाव परिणाम, 3 भाजपा, 1 कांग्रेस

(लेखक- सनत जैन)

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना के 3 दिसंबर को चुनाव परिणाम का जो रुझान सामने आया है, वह पूर्णतः चमत्कारिक है। इस तरीके के चुनाव परिणाम की किसी ने कल्पना नहीं की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ तेलंगाना और राजस्थान का चुनाव लड़ा गया था। हिंदी भाषी राज्य राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के चुनाव परिणाम बिल्कुल चमत्कारिक रहे। यहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ नए प्रयोग किए थे। चुनाव मैदान में मंत्रियों और सांसदों को भी उतारा था। मोदी जी ने तीनों राज्यों में अपने ही चेहरे पर चुनाव लड़ा था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह का चेहरा सामने नहीं था। मोदी और कमल के नाम पर जनता से वोट मांगे गए थे। जनता ने मोदी और कमल को पूर्ण समर्थन देते हुए इन तीनों राज्यों में भाजपा को ऐतिहासिक चमत्कारिक विजय दिलाने का काम किया है। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी को 90 में से 54, मध्य प्रदेश में 230 सीटों में से 166 भाजपा को, राजस्थान की 199 सीटों में से 115 सीट बीजेपी को मिली है। जिससे तीनों राज्यों में स्पष्ट बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी अपनी सरकार बनाने जा रही है। वहीं तेलंगाना के भी चुनाव परिणाम बड़े आश्चर्यजनक रहे। यहां की 119 सीटों में से 63 सीट तेलंगाना के मतदाताओं ने कांग्रेस की झोली में डालकर स्पष्ट बहुमत दिया है, वहीं सत्तारूढ़ पार्टी बीआरएस को मात्र 40 सीट मिली है। यहां पर भारतीय जनता पार्टी ने भी अच्छी प्रगति करते हुए 9 सीटों पर विजय पाई है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रहीं थीं और यह कहा जा रहा था कि चार राज्यों में कांग्रेस की सरकार बन सकती है, ऐसा कांग्रेस के नेताओं द्वारा कहा जा रहा था। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस की सभाओं और रैलियों में भारी भीड़ उमड़ रही थी, जिसके कारण चुनाव काफी रोचक एवं संघर्षपूर्ण हो गए थे। चुनाव परिणाम से यह साबित हो गया है कि एक बार फिर मोदी लहर हिंदी भाषी राज्य मध्य प्रदेश राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चली है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना लागू की थी। मध्य प्रदेश के चुनाव परिणाम के रुझान में उसका भी बड़ा असर देखा गया है। मिजोरम की मतगणना 4 दिसंबर को होनी है। मिजोरम के भी चुनाव परिणाम सोमबार को सामने आ जाएंगे, लेकिन इतना तय है कि हिंदी भाषी राज्यों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है। इन चुनाव परिणामों से क्षेत्रीय क्षत्रप जो भाजपा के केंद्रीय हाई कमान के लिए चुनौती बन रहे थे उनके लिए भी एक बहुत बड़ा सबक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वो चुनाव राजनीति के महापंडित हैं विपरीत परिस्थितियों में भी कैसे चुनाव जीते जाते हैं यह उन्हें आता है। बहरहाल मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की पसंद को ही स्थान मिलेगा। इन तीनों राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के लिए कोई

चेहरा घोषित नहीं किया था। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कई केंद्रीय मंत्रियों के चुनाव लड़ने के कारण कौन मुख्यमंत्री बनेगा, इसको लेकर जरूर कोतुहल बना हुआ है। पिछले 2 महीने से पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को लेकर तरह-तरह की जो संभावनाएं जताई जा रहीं थीं, चुनाव परिणाम के रुझान आने के साथ ही सारी स्थिति स्पष्ट परिणाम के रूप में सामने आ गई है। सरकार बनाने के लिये अब विधायकों के दल-बदल की संभावनाओं पर भी पूर्ण विराम लग गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवंबर में एफपीआई ने इक्विटी में 9,000 करोड़ डाले

नई दिल्ली । दो महीनों तक शुद्ध बिकवाल रहने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में फिर भारतीय शेयर बाजारों का रुख किया और करीब 9,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके साथ ही डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने पिछले महीने ऋण बाजार में 14,860 करोड़ रुपये का निवेश किया जो छह साल का उच्चतम स्तर है। बाजार के जानकारों के मुतो बिक आगे चलकर एफपीआई का रुख काफी हद तक घरेलू बाजार के रुझान से तय होगा। घरेलू बाजार पर पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों का असर पड़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में नतीजे सत्तारूढ़ सरकार के लिए अनुकूल होने पर बाजार में तेजी आएगी। ऐसी स्थिति में विदेशी निवेशक भी उस तेजी का लाभ उठाने से नहीं चूकना चाहेंगे। आंकड़ों के मुताबिक नवंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में कुल 9,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके पहले एफपीआई ने अक्टूबर में 24,548 करोड़ रुपये और सितंबर में 14,767 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। हालांकि एफपीआई ने मार्च से अगस्त तक लगातार भारतीय इक्विटी में खरीदारी की और इन छह महीनों में 1.74 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया था। भारतीय बाजार में एफपीआई के फिर से पैदा हुए आकर्षण की वजह अमेरिकी बॉन्ड के प्रतिफल में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव को माना जा सकता है।पिछले महीने बाजार में दो कंपनियों इरेडा और टाटा टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों का तगड़ा समर्थन भी मिला।

भारत में अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा मामले में पैठ कमः सीएपीए

मुंबई । विमानन सलाहकार कंपनी सीएपीए इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारत घरेलू हवाई यातायात के मामले में तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है लेकिन अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के मामले में उसकी पैठ कम बनी हुई है। उन्होंने नियामक सुधारों की वकालत करते हुए कहा कि यदि सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो निर्माणाधीन क्षमता और कम हो जाएगी। कौल ने हाल ही में यहां जेआरडी टाटा की 119वीं जयंती के अवसर पर जेआरडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक समारोह में कहा ` कि घरेलू यातायात के मामले में हम तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय यातायात के मामले में हम 18वें स्थान पर हैं। तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार होने के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा में हमारी पैठ काफी कम है। उन्होंने कहा कि वृद्धि के लिए दीर्घकालिक बुनियाद बहुत मजबूत हैं। कौल ने लगभग दो साल पहले हुए एयर इंडिया के निजीकरण को एक ऐतिहासिक सुधार बताया और कहा कि भारतीय विमानन उद्योग सबसे आशाजनक दशक की दहलीज पर खड़ा है।

एयर इंडिया के पायलट संगठन उड़ान सेवा, आराम अवधि योजना पर चिंतित

मुंबई । एयर इंडिया के पायलट संगठनों आईपीजी और आईसीपीए ने टाटा समूह की एयरलाइन की नई उड़ान सेवा और आराम अवधि योजना पर गहरी चिंता जताई। इन संगठनों ने आरोप लगाया कि कंपनी डीजीसीए के मानदंडों से हट रही है। दो यूनियनों इंडियन पायलट्स गिल्ड (आईपीजी) और इंडियन कमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन (आईसीपीए) ने नागर विमानन महानिदेशालय को संयुक्त रूप से लिखे एक पत्र में यह आरोप लगाया। पत्र में कहा गया है कि एयर इंडिया ने उड़ान सेवा अवधि सीमा (एफडीटीएल) के साथ एक अतिरिक्त नीति की शुरुआत की है, जो डीजीसीए अधिकार और उद्देश्य को कमजोर करते हुए प्रतीत होते हैं। पायलट यूनियनों ने डीजीसीए से इस मुद्दे की समीक्षा और मूल्यांकन की भी मांग की है। इस मामले के समाधान के लिए उचित कदम उठाने का अनुरोध भी किया गया है। पायलटों और चालक दल के सदस्यों की उड़ान सेवा अवधि विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए नियंत्रित करता है।

देशभर के गांवों में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन और होमस्टे के लिए मुकाबला

नई दिल्ली।

पर्यटन मंत्रालय देशभर के गांवों के बीच सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम व सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे प्रतियोगिता शुरू की गई है। गांवों के बीच यह प्रतियोगिता ग्रामीण पर्यटन के प्रचार और विकास को बल प्रदान करने के लिए है। भारत में ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्ेा साहन देने के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति द्वारा ग्रामीण होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने व्यापक राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप शुरू किया है। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक उन्होंने भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान के सहयोग से राष्ट्रीय कार्यनीतियों के कार्यान्वयन की शुरुआत की है। पर्यटन मंत्रालय का कहना है कि ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे को प्रोत्ेा साहन देने के लिए विशिष्ठ पहलों में से एक राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम और राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे प्रतियोगिता का आयोजन करना है। सहयोग को बढ़ावा देने और ग्रामीण पर्यटन की संवृद्धि के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने हेतु, मंत्रालय ने इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से सरकारों, उद्योग हितधारकों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और स्थानीय समुदायों को सक्रिय रूप से कार्यबद्ध किया है। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक यह बहु-हितधारक पद्धति ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को बल प्रदान करने के प्रयासों में तालमेल बनाती है। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य ग्रामीण पर्यटन में उत्कृष्ट योगदान की पहचान करने और उन्हें पुरस्कृत करने के लिए ग्रामों और ग्रामीण होमस्टे के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को विकसित करना है, जिससे समुदायों और व्यक्तियों को सतत विकास लक्ष्यों में सक्रिय योगदान के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

पर्यटन मंत्रालय का कहना है कि इन प्रतियोगिताओं से न केवल अन्वेक्षित क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, तथापि सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने, सांस्कृतिक प्रामाणिकता को संरक्षित करने और पर्यटन क्षेत्र में दीर्घकालिक और उत्तरदायी अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए एक तरंगित प्रभाव भी पैदा होगा।

पर्यटन मंत्रालय ने प्रभावी कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसी, ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे (सीएनए आरटी और आरएच) की स्थापना भी की है। यह ग्रामीण स्तर पर प्रतियोगिताओं के प्रचार-प्रसार हेतु मास्टर ट्रेनर तैयार करने के लिए राज्यों के लिए क्षमता निर्माण सत्र आयोजित कर रहा है।

एथर एनर्जी अपने चार्जिंग कनेक्टर को मुफ्त में साझा करने को तैयार

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माता एथर एनर्जी मानक के रूप में स्वीकृत अपने चार्जिंग कनेक्टर को इस उद्योग की कंपनियों को मुफ्त में अपनाने की सुविधा देने के लिए तैयार है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह जानकारी दी। इस साल अक्टूबर में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने एथर एनर्जी के स्वदेशी तौर पर विकसित एसी और डीसी संयुक्त चार्जिंग कनेक्टर को मंजूरी दी थी। इसे हल्के इलेक्ट्रिक वाहनों (एलईवी) इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के साथ-साथ माइक्रो कारों के लिए मानक दर्जा मिला है। कंपनी मार्च, 2024 तक अपने चार्जिंग नेटवर्क को मौजूदा 1,600 से बढ़ाकर 2,500 करने पर भी काम कर रही है। इसके साथ ही कंपनी अपने चार्जिंग कनेक्टर को अपनाने के लिए अन्य विनिर्माताओं के साथ भी बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस चार्जिंग कनेक्टर पर हमें एक बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकार मिला हुआ है। हम कई मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) से बात कर रहे हैं और उनसे कहा है कि यदि वे इसे अपनाना चाहते हैं, तो हम उनकी मदद करेंगे। एथर एनर्जी अपने चार्जिंग कनेक्टर की विशेषज्ञता को अन्य ईवी कंपनियों के साथ साझा करने को तैयार है।

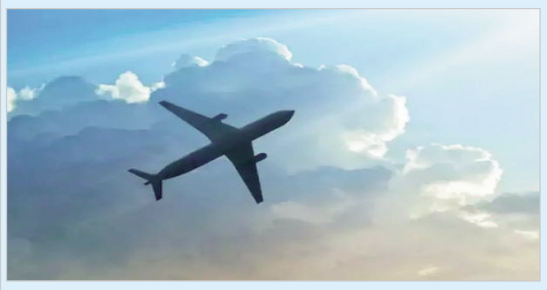

गुवाहाटी और बैंकॉक के बीच सीधी उड़ान शुरू

गुवाहाटी। गुवाहाटी और बैंकॉक के बीच एक त्रि-साप्ताहिक सीधी उड़ान (डायरेक्ट फ्लाइट) शुरू की गई है जो थाई एयर एशिया द्वारा बुधवार, शुक्रवार और रविवार को बैंकॉक-गुवाहाटी मार्ग पर संचालित की जाएगी।पहली फ्लाइट कुल 56 यात्रियों के साथ शुक्रवार रात गुवाहाटी हवाई अड्डे पर उतरी और आधे घंटे बाद 97 यात्रियों के साथ बैंकॉक के लिए रवाना हो गई। फ्लाइट ने शुक्रवार रात 11.40 बजे गुवाहाटी से उड़ान भरी और थाईलैंड में भारतीय समयानुसार सुबह करीब 2.15 बजे लैंड किया। गुवाहाटी के मुख्य हवाई अड्डा अधिकारी उत्पल बरुआ ने शनिवार को कहा, उम्मीद है कि इस नई फ्लाइट से गुवाहाटी हवाई अड्डे को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए हवाई कनेक्टिविटी का केंद्र बनाने में काफी मदद मिलेगी। इससे पूर्वोत्तर में व्यापार और पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। भविष्य में थाई एयर एशिया एयरलाइन सिंगापुर, वियतनाम, मलेशिया और इंडोनेशिया के लिए आगे कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। उन्होंने आगे कहा, हमारा हवाई अड्डा इस नए कनेक्शन के साथ इस हवाई अड्डा को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का हब बनाने की दिशा में आगे बढ़ा है। हम सभी को हवाई अड्डे, एयरलाइन, सरकार और अन्य हितधारकों को इस मार्ग को टिकाऊ बनाने के लिए संयुक्त रूप से काम करना चाहिए।

आरबीआई के मौद्रिक नीति के फैसले पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

- भारत, अमेरिका और चीन के सेवा पीएमआई आंकड़ों पर भी नजर रहेगी

मुंबई ।

वैश्विक बाजार के मजबूत रुख के बीच स्थानीय स्तर पर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मजबूत आंकड़ों की बदौलत बीते सप्ताह करीब ढाई प्रतिशत की तेजी में रहे घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) की होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा के निर्णय के साथ भारत, अमेरिका और चीन के सेवा पीएमआई आंकड़ों पर नजर रहेगी। विश्लेषकों के अनुसार महंगाई में कमी आने से यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के दर वृद्धि चक्र को समाप्त करने की उम्मीद में वैश्विक बाजारों में तेजी का रुख देखा गया। घरेलू बाजार को वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में जीडीपी के मजबूत आंकड़ों और विनिर्माण गतिविधि में उल्लेखनीय उछाल से पर्याप्त बढ़ावा मिला। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार ने अपनी जीवंतता बनाए रखी, जिसे टाटा टेक्नोलॉजी की शानदार लिस्टिंग ने उजागर किया। इससे जोखिम भरी संपत्तियों में निवेशकों का विश्वास बढ़ा। पिछले सपताह मिडकैप और स्मॉलकैप ने लचीला रुख दिखाया। निवेशक सरकारी खर्च और बढ़ी हुई खपत के बारे में आशावान बने हुए हैं। मुद्रास्फीति में कमी से चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। ओपेक प्लस के आपूर्ति में कटौती करने के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। साथ ही बाजार की तेजी बनाए रखने में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल ने भी सकारात्मक योगदान दिया। इससे मौजूदा केंद्र सरकार के प्रति निवेशकों की भावनाएं मजबूत रही। बाजार के जानकारों के मुतो बिक इस सप्ताह निवेशकों की नजर अमेरिका, भारत और चीन में जारी होने वाले सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों पर रहेगी। साथ ही अगले सप्ताह 06 से 08 दिसंबर को आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक होने वाली है। इसमें नीतिगत दरों को यथावत रखने की संभावना है।

इससे विकास परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव हो सकता है। इसके अलावा नवंबर में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की वापसी बाजार में सकारात्मक गति जारी रहने का संकेत देती है। एफआईआई ने इस वर्ष पिछले लगातार तीन महीने अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में जबरदस्त बिकवाली के बाद नवंबर में 5,795.05 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की है। एफआईआई अगस्त में 20,620.65 करोड़ रुपये, सितंबर में 26,692.16 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 29,056.61 करोड़ रुपये के बिकवाल रहे।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.30 लाख करोड़ बढ़ा

- प्रमुख 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में से नौ का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सप्ताह घरेलू बाजार में तेजी के बीच 1,30,391.96 करोड़ रुपये बढ़ गया, जिसमें भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में सर्वाधिक बढ़त रही। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को छोड़कर देश की अन्य नौ प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि देखी गई। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का मूल्यांकन 23,746.04 करोड़ रुपये बढ़कर 5,70,466.88 करोड़ रुपये हो गया। वहीं सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 19,027.07 करोड़ रुपये बढ़कर 12,84,180.67 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन इस अवधि में 17,881.88 करोड़ रुपये बढ़कर 11,80,588.59 करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी का मूल्यांकन 15,159.02 करोड़ रुपये बढ़कर 5,61,159.09 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का पूंजीकरण 14,480.29 करोड़ रुपये बढ़कर 4,48,446.82 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 12,085.42 करोड़ रुपये बढ़कर 6,63,370.71 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का मूल्यांकन 11,348.53 करोड़ रुपये बढ़कर 6,02,258.98 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 10,307.92 करोड़ रुपये बढ़कर 5,10,353.93 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का मूल्यांकन 6,355.79 करोड़ रुपये बढ़कर 6,02,747.01 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 574.95 करोड़ रुपये घटकर 16,19,332.44 करोड़ रुपये रह गया। इसके बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। शीर्ष 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर है और उसके बाद टीसीएस का नाम आता है। इनके बाद एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचयूएल, भारती एयरटेल, आईटीसी, एसबीआई और बजाज फाइनेंस मौजूद हैं।

भारत में एफडीआई में चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली । केमन आइलैंड्स और साइप्रस से भारत में आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान तगड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-सितंबर 2023 की अवधि में केमन आइलैंड्स से भारत में एफडीआई 75 प्रतिशत घटकर 14.5 करोड़ डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 58.2 करोड़ डॉलर था। इसी तरह इस अवधि में साइप्रस से आने वाला निवेश भी 95 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.5 करोड़ डॉलर पर आ गया जबकि पिछले साल की समान छमाही में यह 76.4 करोड़ डॉलर था। कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, वाहन और औषधि क्षेत्रों में कम विदेशी निवेश आने से आलोच्य अवधि में भारत में एफडीआई 24 प्रतिशत घटकर 20.48 अरब डॉलर रह गया। विशेषज्ञों ने साइप्रस और केमन से एफडीआई में तेज गिरावट के लिए आवेदनों की गहन जांच को जिम्मेदार ठहराया है। नांगिया एंडरसन इंडिया में साझेदार (नियामकीय) अंजलि मल्होत्रा ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में कर बचत के लिहाज से बेहद आकर्षक माने जाने वाले सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों से आने वाले एफडीआई प्रवाह में भी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि इन सभी देशों से विदेशी निवेश में आई गिरावट पहली छमाही के दौरान भारत में कुल एफडीआई में आई गिरावट के ही अनुरूप है।

बीते सप्ताह तेल तिलहनों में गिरावट रही

- केवल मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूती पर बंद हुए

नई दिल्ली ।

बैंकों का ऋण साखपत्र बरकरार रखने के लिए आयातित तेलों का कारोबार मुनाफे के बगैर भी जारी रखने से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मूंगफली को छोड़कर बाकी खाद्य तेल तिलहनों में गिरावट रही। पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 20 रुपये घटकर 5,640-5,680 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 25 रुपये घटकर 10,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये का नुकसान दिखाते हुए क्रमशः 1,775-1,870 रुपये और 1,775-1,885 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 120-120 रुपये की हानि के साथ क्रमशः 5,140-5,190 रुपये प्रति क्विंटल और 4,940-4,990 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 50 रुपये, 50 रुपये और 75 रुपये के नुकसान के साथ क्रमशः 10,350 रुपये और 10,150 रुपये और 8,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में केवल मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूती पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन, मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव क्रमशः 150 रुपये, 300 रुपये और 45 रुपये के लाभ के साथ क्रमशः 6,750-6,825 रुपये क्विंटल, 15,700 रुपये क्विंटल और 2,335-2,610 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। गिरावट के आम रुझानों के अनुरूप

समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 50 रुपये के नुकसान के साथ 8,200 रुपये, पामोलीन दिल्ली का भाव 75 रुपये के नुकसान के साथ 9,075 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 30 रुपये के नुकसान के साथ 8,370 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल का भाव भी 25 रुपये गिरकर 8,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आटा और दाल की बढ़ सकती है कीमतें

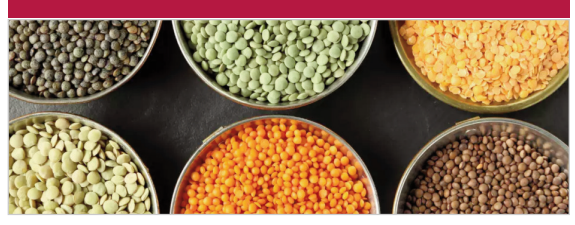

नई दिल्ली ।

जहां एक ओर वैश्विक बाजार में चावल की कीमतें 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। वहीं दूसरी ओर लोकल लेवल पर आम लोगों पर आटा और दाल पर महंगाई की मार पड़ सकती है। इसका प्रमुख कारण गेहूं और दालों का उत्पादन कम होना है। सूत्रों के मुताबिक अब तक गेहूं की बुवाई में 5 फीसदी से ज्यादा कमी देखने को मिली है। वहीं दूसरी ओर दालों की बुवाई में 8 फीसदी तक की कमी देखने को मिली है। वैसे सरकार को उम्मीद है कि बारिश होने के बाद इस कमी को पूरा किया जा सकता है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो देश में आटा और दाल की कीमतों में इजाफा होगा, जिससे देश में महंगाई के घाव और ज्यादा गहरे होते चले जाएंगे। सूत्रों के अनुसार देश में गेहूं और दाल की बुवाई में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। वास्तव में बारिश में कमी की वजह से बुवाई पर असर पड़ा है। जानकारी के अनुसार देश में गेहूं की बुवाई में 5 फीसदी की कमी आई है।

इस साल अब तक गेहूं की बुवाई 141 लाख हेक्टेयर में हुई है जबकि पिछले साल समान अवधि में गेहूं की बुवाई 149 लाख हेक्टेयर हो चुकी थी। आंकड़ों के अनुसार इस साल दालों की बुवाई में 8 फीसदी की कमी देखने को मिल रही है। अब देश में 940 लाख हेक्टेयर में दालों की बुवाई हो चुकी है जबकि पिछले साल समान अवधि में ये बुवाई 103 लाख हेक्टेयर में हुई थी। इसका मतलब है कि इस साल दालों के उत्पादन में काफी गिरावट देखने को मिल सकती है जिससे पहले देश में महंगाई बढ़ने की संभावना है। अभी तक दोनों फसलों के लिए पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। सरकार को उम्मीद है कि बारिश होते ही कमी की पूर्ति हो जाएगी लेकिन जानकारों की मानें तो इसकी उम्मीदें कम ही है। अगर बुवाई नहीं बढ़ी तो देश में आटा और दाल का भाव बढ़ सकता है। जिससे देश में महंगाई दर में इजाफा देखने को मिल सकता है।

विज्ञापनदाता बना रहे दूरी, एलन मस्क के नेतृत्व में एक्स पर मंडरा रहा दिवालियापन का खतरा

लंदन।

एलन मस्क ने ट्विटर (जिसे अब एक्स कहा जाता है) को खरीदने के लिए लगभग 13 बिलियन डॉलर का ऋण लिया था और सोशल मीडिया कंपनी को हर साल ब्याज भुगतान में लगभग 1.2 बिलियन डॉलर का भुगतान करना पड़ता है।बीबीसी ने रविवार को बताया कि चूंकि बड़े विज्ञापनदाताओं ने प्लेटफॉर्म छोड़ दिया और एक्स अपने ऋण पर ब्याज का भुगतान नहीं कर सकता या कर्मचारियों को भुगतान नहीं कर सकता, तो यह वास्तव में दिवालिया हो सकता है। लेकिन, यह एक चरम परिदृश्य होगा जिससे मस्क निश्चित रूप से बचना चाहेंगे। हालांकि, जिस कंपनी को उन्होंने 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था, उसके लिए दिवालियापन अकल्पनीय लग सकता है, लेकिन यह संभव है। डिज़्नी और एप्पल अब एक्स पर विज्ञापन नहीं दे रहे हैं। खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट ने पुष्टि की है कि वह एक्स पर विज्ञापन नहीं दे रहा है। रिपोर्ट में वॉलमार्ट के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है, हम एक्स पर विज्ञापन नहीं कर रहे हैं, क्योंकि हमने अपने ग्राहकों तक बेहतर पहुंच के लिए अन्य प्लेटफॉर्म ढूंढ लिए हैं। पिछले महीने मस्क द्वारा यहूदी विरोधी पोस्ट का समर्थन करने के बाद वॉलमार्ट के जाने से एक्स छोड़ने वाली कंपनियों की सूची में इजाफा हुआ। एप्पल, डिज्नी, आईबीएम, कॉमकास्ट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी उन कंपनियों में से हैं जो अब एक्स पर विज्ञापन नहीं दे रही हैं। पिछले साल, एक्स का लगभग 90 प्रतिशत राजस्व विज्ञापन से आया था। मस्क ने चेतावनी दी है कि बड़े विज्ञापनदाताओं का नुकसान एक्स के अंत का कारण बनेगा। यदि कंपनी विफल हो जाती है, तो यह विज्ञापनदाताओं के बहिष्कार के कारण विफल हो जाएगी और यही कंपनी को दिवालिया बना देगी। 2022 में ट्विटर का विज्ञापन राजस्व लगभग 4 बिलियन डॉलर था। इनसाइडर इंटेलिजेंस का अनुमान है कि इस साल यह घटकर 1.9 बिलियन डॉलर रह जाएगा। बड़े विज्ञापनदाताओं के खिलाफ मस्क की नाराजगी के बाद, एक्स कथित तौर पर बड़ी कंपनियों से विज्ञापन घाटे की भरपाई के लिए छोटे और मध्यम व्यवसायों (एसएमबी) को टैप करने का लक्ष्य बना रहा है। द फाइनेंशियल टाइम्स की एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मस्क द्वारा यहूदी विरोधी सामग्री का समर्थन करके बड़े ब्रांडों को नाराज करने के बाद एक्स अब राजस्व बढ़ाने के लिए एसएमबी की ओर रुख करेगा।

सरकार ने ई-कॉमर्स मंच पर डार्क पैटर्न पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली ।

सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए ई-कॉमर्स मंचों पर डार्क पैटर्न के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। कंपनियां या कारोबारी डार्क पैटर्न के जरिए ग्राहकों को धोखा देने या उनके व्यवहार अथवा पसंद को प्रभावित करने की कोशिश करते है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने 30 नवंबर को इस संबंध में डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश के लिए गजट अधिसूचना जारी की। यह अधिसूचना भारत में वस्तुओं और सेवाओं की पेशकश करने वाले सभी मंचों और विज्ञापनदाताओं तथा विक्रेताओं पर भी लागू है। नए दिशानिर्देशों के मुताबिक डार्क पैटर्न का सहारा लेना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन होगा। इसे भ्रामक विज्ञापन या अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा। ऐसा करने पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार जुर्माना लगाया जाएगा। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि ई-कॉमर्स बढ़ने के साथ ही उपभोक्ताओं को उनकी खरीदारी के विकल्पों और व्यवहार में हेरफेर करके गुमराह करने के लिए मंचों द्वारा डार्क पैटर्न का तेजी से इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिसूचित दिशानिर्देश सभी हितधारकों, खरीदारों, विक्रेताओं, बाजारों और नियामकों के लिए स्पष्टता लाएंगे कि अनुचित व्यापार गतिविधियों के रूप में क्या स्वीकार्य नहीं है। इनका उल्लंघन करने वाला उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उत्तरदायी होगा।

पेरिस ओलंपिक के बाद एलीट खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय शिविर बंद करेगा एएफआई

अमृतसर (एजेंसी)। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रविवार को फैसला किया कि वह पेरिस ओलंपिक के बाद एलीट खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय शिविर का आयोजन नहीं करेगा और शीर्ष खिलाड़ियों की देखरेख के लिए सार्वजनिक और निजी इकाइयों के लिए दरवाजे खोलेगा।

एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने यहां महासंघ की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के अंतिम दिन कहा, 'हमने पेरिस (अगले साल) के बाद सीनियर राष्ट्रीय ट्रेनिंग शिविर खत्म करने का फैसला किया है। हमने खेल मंत्रालय को भी इसकी सूचना दे दी है जिसने हमारे कदम की सराहना की है।' उन्होंने कहा, 'साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) के एनसीओई (राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों) में इतनी सारी अच्छी सुविधाएं हैं। रिलायंस, जेएसडब्ल्यू, टाटा और अन्य निजी इकाइयों में भी अच्छी सुविधाएं हैं। उन्होंने भारी भरकम निवेश किया है और विदेशी कोच को नियुक्त किया है।'

सुमारिवाला ने कहा, 'वे अपनी सुविधाओं पर खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दे सकते हैं। निजी इकाइयां ही नहीं बल्कि सेना खेल संस्थान, रेलवे, वायुसेना, नौसेना, ओएनजीसी, सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य इकाइयां और यहां तक कि राज्य सरकारें भी अपने खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दे सकती हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास पांच से 10 साइ केंद्र हैं लेकिन हमारे पास ऐसे 200 केंद्र हो सकते हैं (सार्वजनिक और निजी इकाइयों की मदद से ट्रेनिंग के लिए)। खिलाड़ी ट्रेनिंग के लिए शिविर की जगह अपने घरों में रह सकते हैं।'

एएफआई के इस कदम का मतलब है कि नीरज चोपड़ा, मुरली श्रीशंकर और अविनाश साबले जैसे शीर्ष खिलाड़ी पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद उसके तत्वावधान में ट्रेनिंग नहीं करेंगे लेकिन महासंघ उनकी प्रगति की निगरानी करता रहेगा। खिलाड़ी अब सीधे तौर पर सार्वजनिक और निजी इकाइयों के अंतर्गत आएंगे जिसमें ओडिशा, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसी राज्य सरकारें भी शामिल हैं। एएफआई हालांकि कोच की टीम बनाएगा और खिलाड़ियों पर नजर रखेगा। एएफआई अभी लगभग 130 से 150 एलीट खिलाड़ियों के लिए 50 से 60 सहयोगी स्टाफ के मार्गदर्शन में केंद्रीयकृत राष्ट्रीय ट्रेनिंग शिविर का आयोजन करता है।

इसका आयोजन मुख्य रूप से एनआईएस पटियाला, बेंगलुरू के साइ केंद्र और तिरूवनंतपुरम में एलएनसीपीई में होता है। चोपड़ा अधिकतर भारत के बाहर ट्रेनिंग करते हैं जबकि श्रीशंकर को उनके पिता एस मुरली केरल में ट्रेनिंग देते हैं। दोनों को जेएसडब्ल्यू समर्थन देता है। सुमारिवाला ने कहा कि इसके पीछे का विचार शिविरों का विकेंद्रीकरण करना और इन्हें पूरे देश में फैलाना है जिससे कि खिलाड़ी अपने घर के करीब ट्रेनिंग ले सकें। हालांकि जूनियर राष्ट्रीय ट्रेनिंग शिविर महासंघ के सहयोग से एनसीओई में ही होंगे।

एएफआई ने साथ ही कहा कि वह पुरुष चार गुणा 400 मीटर, महिला चार गुणा 400 मीटर और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम की ट्रेनिंग अपने अंतर्गत जारी रखेगा। एएफआई के नीति आयोग के अध्यक्ष ललित भनोट ने कहा, ''तीन रिले टीम एएफआई के सीधे निरीक्षण में होंगी क्योंकि रिले टीम के सदस्य अलग अलग ट्रेनिंग नहीं कर सकते और उन्हें आपसी समन्वय की जरूरत होती है। हम प्रतियोगिताओं का आयोजन भी जारी रखेंगे।'

एएफआई ने कहा कि वह विदेशी अनुभव दौरों के दौरान भी खिलाड़ियों की जिम्मेदारी लेगा। महासंघ के राष्ट्रीय शिविर का आयोजन नहीं करने का मतलब है कि खिलाड़ियों के डोप परीक्षण पर नियंत्रण कम होगा। एएफआई ने इसे स्वीकार करते हुए

कहा कि इस फैसले के विपक्ष की तुलना में पक्ष में चीजें अधिक हैं। सार्वजनिक और निजी इकाइयों के ट्रेनिंग की जिम्मेदारी लेने से खिलाड़ियों के पूल में भी इजाफा होगा जो अभी 100 से 150 खिलाड़ियों के बीच है।

पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और एएफआई की वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा कि एएफआई का यह फैसला सही दिशा में उठाया गया कदम है। विश्व चैंपियनशिप 2003 की कांस्य पदक विजेता पूर्व लंबी कूद खिलाड़ी अंजू ने यहां एजीएम के इतर कहा, ''खिलाड़ियों की पढ़ाई बड़ी चिंता की बात है। अगर कोई खिलाड़ी एनआईएस या बेंगलुरू और तिरूवनंतपुरम में साल में 11 महीने ट्रेनिंग करता है तो उसके लिए पढ़ाई करना बेहद मुश्किल हो जाता है। अब वे अपने घर के करीब ट्रेनिंग कर सकते हैं और पढ़ाई भी जारी रख सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों ही नहीं बल्कि कोच को भी अपने परिवार से दूर आना पड़ता है और वे साल में 11 महीने राष्ट्रीय शिविर में रहते हैं। वे भी अपने घर के करीब ट्रेनिंग शिविर से जुड़ सकते हैं।' अंजू ने स्वीकार किया कि शुरुआती महीनों में कुछ समस्याएं आ सकती हैं लेकिन यह फैसला भारतीय एथलेटिक्स को आगे ले जाएगा।

मेदजेदोविच ने फिल्स को हराकर नेक्स्ट जेन फाइनल्स चैंपियनशिप जीती

जेद्दा (सऊदी अरब) (एजेंसी)। हेमाद मेदजेदोविच ने शीर्ष वरीय आर्थर फिल्स को हराकर उलटफेर करते हुए नेक्स्ट जेन फाइनल्स टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। मेदजेदोविच ने दो घंटे और 11 मिनट चले फाइनल में फिल्स को पांच सेट में 3-4 (6), 4-1, 4-2, 3-4 (9), 4-1 से हराया।

टूर्नामेंट के छह सत्र में यह पहला मौका है जब फाइनल में पांच सेट खेले गए। इक्कीस साल या इससे कम उम्र के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट में खिताबी जीत के दौरान 20 साल के मेदजेदोविच ने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया और इस टूर्नामेंट के जीतने वाले सर्बिया के पहले खिलाड़ी बने।

वर्ष 2017 में पहले टूर्नामेंट से ही इसका आयोजन मिलान में हो रहा था जबकि इस साल पहली बार यह टूर्नामेंट सऊदी अरब में खेला गया। इससे पहले स्टेफानोस सितसिपास, यानिक सिनर और कार्लोस अल्बारेज जैसे खिलाड़ी नेक्स्ट जेन फाइनल्स जीत चुके हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज के लिए रेणुका सिंह की टीम में वापसी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबलों के लिए तेज गेंदबाज रेणुका सिंह की वापसी हुई है। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और टेस्ट सीरीज खेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेलेगी। इन 2 टेस्ट मैचों के दौरान रेणुका, इशाक के साथ-साथ जेमिमाह रॉड्रिग्स भी टेस्ट डेब्यू कर सकती हैं। यह 2014 के बाद भारतीय पिच पर पहला महिला टेस्ट होगा। बता दें कि मिताली राज और झूलन गोस्वामी के संन्यास लेने के बाद भी भारत के लिए यह पहला टेस्ट है और हरमनप्रीत कौर पहली बार टेस्ट टीम की अगुवाई करेंगी। गौरतलब है कि श्रेयांका डब्ल्यूपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से जुड़ी थीं। वह सीपीएल में खेलने वाली पहली भारतीय महिला थीं और उन्होंने टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लिए। फिलहाल वह इंग्लैंड ए के खिलाफ इंडिया ए के लिए टी20 सीरीज खेल रही हैं। बाएं हाथ की स्पिनर इशाक डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थीं और 15 विकेट लेकर वह टूर्नामेंट की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज बनीं।

इशाक और श्रेयांका के टी20 टीम में आने से राजेश्वरी गायकवाड़ और देविका वैद्य की जगह नहीं बन पाई है।

जानकारी के अनुसार अंडर-19 विश्व कप का हिस्सा रहीं बाएं हाथ की स्पिनर मन्नत कश्यप को भी टी20 टीम में जगह मिली है, वहीं कनिका आहूजा को टी20 टीम में बरकरार रखा गया है। टेस्ट मैचों में अनुभवी शिखा पांडे को जगह नहीं मिली है तो रेणुका ही 4 सदस्यीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी। उनके साथ तितास साधु, मेघना सिंह और ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकर को टीम में जगह मिली है। स्नेह राणा टेस्ट टीम में वापसी करती हुई नजर आएंगी। यह प्रमुख कोच अमोल मजूमदार का पहला कोचिंग असाइनमेंट भी होगा।

महिला प्रीमियर लीग की नीलामी 9 को, गुजरात 5.95 करोड़ में 10 खिलाड़ी खरीदेगी

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग की 9 दिसंबर को नीलामी होने वाली है। इसमें कुल 165 खिलाड़ी शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार डब्ल्यूपीएल का दूसरा संस्करण अगले साल फरवरी मार्च में आयोजित किया जाएगा। सभी 5 टीमों में अधिकतम 30 स्थान खाली हैं जिनमें से 9 स्थान विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं। सभी 5 टीमों में दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात जायंट्स, यूपी वारियर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने कुल 60 खिलाड़ियों को रिटेन किया है जिनमें 21 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। नीलामी के लिए सूचीबद्ध प्रमुख कैप्ड भारतीय खिलाड़ियों में वेदा कृष्णमूर्ति एस मेघना, मेघना सिंह और देविका वैद्य शामिल हैं। हालांकि एसोसिएट देशों की 15 खिलाड़ी का नाम ऑक्शन पूल में है। इसमें यूएसए की तारा नॉरिस का नाम भी शामिल है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने भी अपना बेस प्राइस 30 लाख रुपए रखा है। 165 खिलाड़ियों में 104 खिलाड़ी भारत की हैं और 61

खिलाड़ी विदेशों की हैं। विदेशी खिलाड़ियों में 15 खिलाड़ी एसोसिएट देशों की हैं। कुल 56 खिलाड़ी ऐसी भी हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है। जबकि 109 खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अनुभव नहीं है।

महिला खिलाड़ी की 50 लाख बेस प्राइस में डिएंड्रा डॉटिन, विंडीज ऑलराउंडर तथा किम गार्थ, ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज शामिल हैं। वहीं 40 लाख बेस प्राइस में एनाबेल सदरलैंड, ऑलराउंडर, जॉर्जिया वेयरहैम, ऑलराउंडर, एमी जोन्स, विकेटकीपर तथा शबनीम इस्माइल, तेज गेंदबाज शामिल हैं। फ्रेंचाइजी वाइज खिलाड़ी की संख्या देखें तो दिल्ली के पास 15 खिलाड़ी हैं जिनमें 5 विदेशी हैं। अब तक 11.25 करोड़ खर्च हो चुके हैं जबकि 2.25 करोड़ शेष राशि हैं, जिसे 3 स्लाट में खर्च करना है। इसी तरह गुजरात के पास 8 खिलाड़ी हैं जिनमें 3 विदेशी हैं। अब तक 7.55 करोड़ खर्च हो चुके हैं जबकि 5.95 करोड़ शेष राशि हैं, जिसे 10 स्लाट में खर्च करना है। मुंबई के पास 13 खिलाड़ी हैं जिनमें 5 विदेशी हैं। अब तक 11.4 करोड़ खर्च हो चुके हैं जबकि 2.1 करोड़ शेष राशि हैं, जिसे 5 स्लाट में खर्च करना है। बैंगलोर के पास 11 खिलाड़ी हैं जिनमें 3 विदेशी हैं। अब तक 10.15 खर्च हो चुके हैं जबकि करोड़ 3.35 करोड़ शेष राशि हैं, जिसे 7 स्लाट में खर्च करना है। यूपी के पास 13 खिलाड़ी हैं जिनमें 5 विदेशी हैं। अब तक 9.5 करोड़ खर्च हो चुके हैं जबकि 4 करोड़ शेष राशि हैं, जिसे 5 स्लाट में खर्च करना है।

पाकिस्तान से भिड़ने, पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

सिडनी । पाकिस्तान से लोहा लेने पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित कर दी गई है। जानकारी के अनुसार डेविड वार्नर को ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में संभावित विदाई का मौका मिल सकता है। रविवार को घोषित टीम में 37 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वार्नर को भी जगह मिली है। यह टीम हालांकि पर्थ में 14 से 19 दिसंबर तक होने वाले पहले टेस्ट के लिए ही है। यदि वह मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए टीम में जगह बरकरार रखते हैं तो फिर उन्हें तीन से सात जनवरी तक अपने घरेलू मैदान एससीजी में होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट में स्वप्निल विदाई का मौका मिल सकता है। गौरतलब है कि वार्नर का हाल में टेस्ट क्रिकेट में फॉर्म मिश्रित रहा है और 2019 में एडीलेड में पाकिस्तान के खिलाफ तिहरा शतक जड़ने के बाद से उनका औसत 28 का रहा है। उन्होंने सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलना जारी रखने और सिडनी में टेस्ट करियर को अलविदा कहने की अपनी इच्छा स्पष्ट कर दी है। बता दें कि वार्नर पहले टेस्ट में उस्मान ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करेंगे जबकि सलामी बल्लेबाज कैमरन बेनक्राफ्ट, मैट रेनशॉ और मार्कस हैरिस के पास प्रधानमंत्री एकादश की ओर से खेलते हुए टीम में जगह बनाने का दावा मजबूत करने का मौका होगा। प्रधानमंत्री एकादश की टीम छह से नौ दिसंबर तक कैनबरा में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, लांस मॉरिस, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क और डेविड वार्नर शामिल हैं।

टी20 विश्व कप पर आशीष नेहरा का दावा, रिंकू सिंह करेंगे चुनौतियों का सामना

नई दिल्ली । भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा है कि रिंकू सिंह टी20 विश्व कप की दावेदारी जरुर कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अन्य खिलाडियों से चुनौती का सामना करना पड़ेगा। बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह भारत की टी20 विश्व कप टीम में 'फिनिशर स्थान के लिए दावेदार हो रही है। बता दें कि टी20 विश्व कप अगले साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जायेगा। रिंकू आस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार फॉर्म में हैं। शुक्रवार को चौथे मैच में उन्होंने 29 गेंद में 46 रन की पारी खेली और भारत की 20 रन की जीत में अहम भूमिका अदा की और इससे टीम श्रृंखला 3-1 से अपने नाम करने में सफल रही। नेहरा ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि रिंकू भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल होने के दावेदार हैं। लेकिन विश्व कप अभी काफी दूर है और जिस स्थान के लिए वह दावेदार है, उसके लिए कई और खिलाड़ी उन्हें चुनौती पेश करेंगे। रिंकू ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में कुछ अच्छी पारियां खेलीं जिसमें तिरूवनंतपुरम में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उनकी नौ गेंद में नाबाद 31 रन की पारी ने भारत की 44 रन की जीत में बड़ी भूमिका अदा की थी। इधर इस पर भी संशय बना हुआ है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली टी20 विश्व कप के लिए भारत की योजना का हिस्सा होंगे या नहीं। अभी इस पर भी कोई स्पष्टता नहीं है तो टीम में कई बड़े बदलाव हो सकते हैं और रिंकू 'स्लॉग ओवर के लिए प्रबल दावेदार हो सकते हैं। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इस पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा कि आप जितेश शर्मा और तिलक वर्मा को भी देख सकते हो। इसलिये चर्चा करनी होगी कि श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या किन स्थानों पर खेलेंगे। नेहरा ने कहा कि हमें देखना होगा कि 15 सदस्यीय टीम में कितने स्थान उपलब्ध हैं।

12 भारतीय मुक्केबाजों ने जूनियर वर्ल्ड बॉक्सिंग फाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 12 जूनियर मुक्केबाजों ने जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जगह बना ली है। उन्होंने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और येरेवन, आर्मेनिया में शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में प्रवेश किया। इनमें अमीषा (54 किग्रा) और पायल (48 किग्रा) ने रोमानिया की ट्रिगोस बुकुर रोशियो और कजाकिस्तान की बिबोलसिंकीज़ी सिला के खिलाफ टीम इंडिया के लिए दिन की विजयी शुरुआत की। दोनों ने सर्वसम्मति से 5-0 से मुकाबला जीता। प्राची टोकस (80+किग्रा) ने रूस की ओसिपोवा मारिया पर प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिससे रेफरी को जीत हासिल करने के लिए पहले दौर में ही मुकाबला रोकना पड़ा। दूसरी ओर, मेघा (80 किग्रा) ने ताकत और शक्ति का समान प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की त्सेंग एन ची के खिलाफ जीत हासिल

की। रेफरी ने तीसरे राउंड में मुकाबला रोक दिया। विनी (57 किग्रा) आकांशा (70 किग्रा) और सृष्टि (63 किग्रा) ने अपने विरोधियों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 5-0 से सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि विनी का मुकाबला ग्रीस की कांतजारी ओरियाना से था, जबकि आकांशा और सृष्टि का मुकाबला क्रमश- आयरलैंड की मैकडोनाग मैरी और कजाकिस्तान की के अलीना से था। निशा (52 किग्रा) ने पहले दौर में शुरुआती प्रभुत्व के बाद संघर्ष किया, लेकिन जल्द ही रूस की सिक्सटस डायना पर 4-1 से प्रभावशाली जीत दर्ज की। लड़कों ने दमदार प्रदर्शन किया और पांच में से चार मुक्केबाजों ने जीत हासिल की। दो दिग्गज हार्दिक पंवार (80 किग्रा) और हेमंत सांगवान (80+ किग्रा) ने बेलारूस के आर आंद्रेई और आर्मेनिया के के तिगरान के खिलाफ 5-0 की सर्वसम्मत निर्णय से आसान जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया।जतिन (54 किग्रा) का मुकाबला रूस केके पावेल से हुआ जो एक पल के लिए अधिक प्रभावशाली मुक्केबाज लग रहे थे लेकिन जतिन ने 4-1 से जीत अपने पक्ष में कर ली।

न्यूकासल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड को हराया, आर्सेनल को चार अंक की बढ़त

लंदन। खिलाड़ियों की चोटों से जूझने के बावजूद न्यूकासल यूनाईटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में शनिवार को यहां मैनेचस्टर यूनाईटेड को 1-0 से हरा दिया। न्यूकासल के मैनेजर एडी होवे को लगातार तीसरे मैच में समान एकादश के साथ शुरुआत करने को मजबूर होना पड़ा लेकिन उनके खिलाड़ी उम्मीद पर खरे उतरते हुए जीत दर्ज करने में सफल रहे। मैच का एकमात्र गोल 55वें मिनट में एंथोनी गोर्डन ने किया जो न्यूकासल को जीत दिलाने के लिए काफी था। इस बीच आर्सेनल ने वोल्वरहैम्पटन को 2-1 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त बरकरार रखी है। आर्सेनल की ओर से बुकायो साका और मार्टिन ओडेगार्ड ने गोल दागे। आर्सेनल की टीम 14 मैच में 33 अंक के साथ शीर्ष पर है। मैनचेस्टर सिटी 29 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है लेकिन उसने आर्सेनल से एक मैच कम खेला है। न्यूकासल की टीम आर्सेनल से सात अंक पीछे पांचवें पायदान पर है जबकि मैनचेस्टर यूनाईटेड सातवें नंबर पर है। अन्य मुकाबलों में बर्नले ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे शेफील्ड यूनाईटेड को 5-0 से हराया जबकि एवर्टन ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को 1-0 से शिकस्त दी। बर्नले के जे रोड्रिग्ज ने इस दौरान 16 सेकेंड के भीतर गोल दागा।

वर्ल्ड कप फाइनल गंवाने का गम भुलाने में मदद करेगी टी20 की जीत

-ऋतुराज गायकवाड़ नतीजों से हुए खुश, हर खिलाड़ी को ?दिया जीत का श्रेय

नई दिल्ली (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ ने कहा कि टी20 की जीत से वर्ल्ड कप फाइनल गंवाने का गम भुलाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि टी20 की जीत के लिए हर खिलाड़ी ने अपना बेहतर दिया है, इसलिए सभी को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि आक्रामक और निर्भीक रवैये की बदौलत भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में जीत दर्ज करने में सफल रही। उन्होंने साथ ही उम्मीद जताई कि वनडे विश्व कप फाइनल में मिली निराशाजनक हार के बाद खेल प्रेमियों के लिए यह खुशी का मौका होगा। बता दें कि भारत ने शुक्रवार को चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आस्ट्रेलिया को 20 रन से हराकर 5 मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। भारत ने नौ विकेट पर 174 रन का स्कोर बनाया था जिसमें गायकवाड़ ने 28 गेंद में 32 रन की पारी खेली। गायकवाड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि हम सभी के लिए खुद को अभिव्यक्त करना और खेल का लुत्फ उठाना महत्वपूर्ण था। प्रत्येक खिलाड़ी ने प्रत्येक चरण में अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसलिए हम नतीजे से खुश हैं लेकिन अभी एक मैच और बचा है। विश्व कप की निराशा को लेकर गायकवाड़ ने कहा कि चर्चा का लब्बोलुवाब यही था कि बस निर्भीक और आक्रामक खेलो। विश्व कप टीम के 2-3 सदस्य हमारे साथ थे। उन्होंने कहा कि टीम में सकारात्मक माहौल था क्योंकि हम घरेलू टूर्नामेंट खेलकर आ रहे हैं और हर खिलाड़ी ने इसमें अच्छा प्रदर्शन किया था। हर खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा था। गायकवाड़ ने यह भी कहा कि उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ खेलते हुए महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टी20 क्रिकेट की बारीकियां सीखीं। उन्होंने कहा कि मैंने सीएसके के लिए खेलते हुए इस प्रारूप के बारे में काफी कुछ सीखा। माही भाई (एमएस धोनी) हमेशा हालात पढ़ने और खेल को समझने के लिए तत्पर रहते हैं। उनका संदेश होता था कि आप टीम का स्कोर देखकर तय करो कि टीम की जरूरत क्या है, भले ही मैच की परिस्थितियां किसी भी तरह की हों। उन्होंने कहा कि टी20 में आपको मानसिक रूप से खेल में हमेशा आगे रहना होता है और मैं इसे काफी अहमियत देता हूं। मैच से पहले मैंने सोचा कि मैच के दौरान किस तरह के हालात हो सकते हैं और पिच कैसे बर्ताव कर सकती है। गायकवाड़ ने कहा कि माही भाई हमेशा जोर देते हैं कि हमें मैच के दौरान मन को ज्यादा भटकाना नहीं चाहिए क्योंकि एक सलामी बल्लेबाज के लिए टी20 मैच में भी खेलने के लिए काफी समय होता है। गायकवाड़ ने यशस्वी जायसवाल के साथ दूसरे और चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में क्रमश- 77 और 50 रन की साझेदारी निभाई।

लीग वन मैच के दौरान हिंसा से जुड़े मामले में नैनटेस समर्थक की मौत

नैनटेस (फ्रांस)। फ्रांस में घरेलू फुटबॉल के मौजूदा सत्र में हिंसा की नवीनतम घटना में नीस पर 1-0 से जीत से पहले हुई हिंसा में नैनटेस के एक समर्थक की शनिवार को मौत हो गई। लीग वन (देश की शीर्ष फुटबॉल लीग) की टीम नैनटेस ने रात में एक बयान में कहा कि क्लब स्टेडियम के करीब यह प्रशंसक हमले में 'गंभीर रूप से घायल' हो गया था। क्लब ने कहा, 'हिंसा का यह मामला न्यायिक जांच का विषय है। इस 31 साल के प्रशंसक की पीठ में गंभीर चोट लगी थी। आपातकालीन सेवाओं की मदद के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।' नैनटेस ने कहा कि सरकारी अभियोजक के कार्यालय ने हत्या की जांच शुरू कर दी है। नैनटेस ने हालांकि नीस के खिलाफ इस मैच को 1-0 से जीता। मौजूदा सत्र में 14 मैचों में नीस की पहली हार है। फ्रांस की खेल मंत्री अमेली औडेया-कैस्टेरा ने 'एक्स' पर इसे 'बहुत दुखद' करार देते हुए लिखा, 'मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, उनके परिजनों और स्टेडियम में मौजूद उनके दोस्तों के साथ हैं।' फ्रांस में पिछले दो सत्र के दौरान स्टेडियम में हिंसा की घटनाएं बढ़ी है। इस से पहले अक्टूबर में मोंटपेलियर में प्रशंसक ने मैदान में पटाखा फेंक दिया जिसके कारण मैच को बीच में रोकना पड़ा। यह पटाखा क्लेरमोट के गोलकीपर मोरी डियाव के करीब फूटा जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर की मदद से बाहर ले जाया गया। वह हालांकि गंभीर रूप से चोटिल नहीं हुए थे। इस घटना के कुछ सप्ताह के बाद मार्सिले में प्रशंसकों ने लियोन के खिलाड़ियों को ले जा रही बस पर पत्थर से हमला किया। इस घटना में लियोन के कोच फाबियो ग्रोसो का चेहरा लहूलुहान हो गया था।

विश्वकप में मिली शौहरत पर रचिन ने कहा, मैं आज भी जमीन पर

मुंबई (एजेंसी)। वर्ल्डकप 2023 में न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र ने एक गुमनाम से प्लेयर के तौर पर आए थे, लेकिन टूर्नामेंट में जबर्दस्त प्रदर्शन के बाद हर कहीं उनके नाम की चर्चा है। रचिन ने टूर्नामेंट के 10 मैचों में 64.22 के औसत से 578 रन बनाए जिसमें तीन शतक शामिल रहे। बल्ले से प्रदर्शन के अलावा खेल के प्रति अपनी अप्रोच और तकनीक से भी 24 साल के रचिन रवींद्र ने सभी को प्रभावित किया।

हालांकि वर्ल्डकप में मिले नाम और शोहरत के बावजूद रचिन ने अपने 'पैर' जमीन पर ही रखे हैं। उन्होंने कहा, मैं अभी भी वहीं रचिन हूं। अपनी टीम के साथियों और परिवार के साथ समय बिताता हूं। उम्मीद है कि इससे मेरी जिंदगी में कुछ भी बदलाव नहीं आएगा।

रचिन ने कहा, हांज्यह जरूर है कि मुझे लोगों का कुछ ज्यादा अटेंशन मिलता है। वे फोटो और ऑटोग्राफ के लिए कहते हैं। मुझे लगता है कि जब आप कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए तब ऐसा होना स्वाभाविक है। रचिन ने स्वीकार किया कि पिता की क्रिकेट में रुचि होने के कारण वे इस खेल से जुड़े। उन्होंने कहा,'मेरे पिता क्लब क्रिकेट खेले, वे क्रिकेट देखना काफी पसंद करते थे। घर के आसपास इसका माहौल था, मैंने उन्हीं से किक्रेट को पैंशन बना लिया। हालांकि उन्हें कभी भी मुझे क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं डाला लेकिन स्वाभाविक रूप से मैं इससे जुड़ गया।

सफलता मिलने पर पिता की प्रतिक्रिया के बारे में रचिन ने कहा, 'मेरे करीबी अन्य सभी लोगों की तरह वे भी बेहद खुश थे और गर्व महसूस कर रहे थे लेकिन वे इसे (अपने इमोशंस को) काफी हद तक सीने में ही रखते हैं। मेरी मां भी बहुत खुश थी। मेरे दोस्तों का ग्रुप ने हर मैच को देखा, वे ग्रुप चेट में इस बारे में बात भी करते थे। रचिन ने वर्ल्डकप के कुछ मैचों में नंबर तीन पर बैटिंग की, जिस पर सामान्यतः टीम के कप्तान केन विलियमसन करते थे। इस बारे में रचिन ने विलियमसन की प्रशंसा की और अच्छा लीडर बताया। रचिन ने कहा कि केन जो कहते हैं, वह करते हैं। चोटिल होने के कारण जब वे नहीं खेल रहे थे तब भी उनका रोल और लीडरशिप अहम थी।

रचिन ने बताया, 'इंग्लैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच के एक दिन पहले, मुझे ट्रेनिंग के दौरान पता चला कि मैं इस मैच में खेल रहा हूं और मुझे नंबर तीन पर बैटिंग करनी है। अपने पहले वर्ल्डकप मैच में डेव (डेवोन कान्वे) के साथ बैटिंग करना अच्छा रहा। वे मेरे आदर्श हैं और मैं उनके काफी करीब हूं। डेव के साथ 200 से अधिक रनों की पार्टनरशिप करना अच्छा रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खाटू श्याम हारे का सहारा

माँ सैव्यम पराजितः।

अर्थात जो हारे हुए और निराश लोगों को संबल प्रदान करता है। वीर प्रसूता राजस्थान की धरा यूं तो अपने आंचल में अनेक गौरव गाथाओं को समेटे हुए है, लेकिन आस्था के प्रमुख केन्द्र खाटू की बात अपने आप में निराली है।

शेखावाटी के सीकर जिले में स्थित है परमधाम खाटू। यहां विराजित हैं भगवान श्रीकृष्ण के कलयुगी अवतार खाटू श्यामजी। श्याम बाबा की महिमा का बखान करने वाले भक्त राजस्थान या भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने-कोने में मौजूद हैं।

खाटू का श्याम मंदिर बहुत ही प्राचीन है, लेकिन वर्तमान मंदिर की आधारशिला सन 1720 में रखी गई थी। इतिहासकार पंडित झाबरमल्ल शर्मा के मुताबिक सन 1679 में औरंगजेब की सेना ने इस मंदिर को नष्ट कर दिया था। मंदिर की रक्षा के लिए उस समय अनेक राजपूतों ने अपना प्राणोत्सर्ग किया था।

खाटू में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की पूजा श्याम के रूप में की जाती है। ऐसी मान्यता है कि महाभारत युद्ध के समय भगवान श्रीकृष्ण ने बर्बरीक को वरदान दिया था कि कलयुग में उसकी पूजा श्याम (कृष्ण स्वरूप) के नाम से होगी। खाटू में श्याम के मस्तक स्वरूप की पूजा होती है, जबकि निकट ही स्थित रींगस में धड़ स्वरूप की पूजा की जाती है।

हर साल फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष में यहां विशाल मेला भरता है, जिसमें देश-विदेश से भक्तगण पहुंचते हैं। हजारों लोग यहां पदयात्रा कर पहुंचते हैं, वहीं कई लोग दंडवत करते हुए खाटू नरेश के दरबार में हाजिरी देते हैं। यहां के एक दुकानदार रामचंद्र चेजारा के मुताबिक नवमी से द्वादशी तक भरने वाले मेले में लाखों श्रद्धालु आते हैं। प्रत्येक एकादशी और रविवार को भी यहां भक्तों की लंबी कतारें लगी होती हैं। खाटू मंदिर में पांच चरणों में आरती होती है- मंगला आरती प्रातः 5 बजे, धूप आरती प्रातः 7 बजे,

भोग आरती दोपहर 12.15 बजे, संध्या आरती सायं 7.30 बजे और शयन आरती रात्रि 10 बजे होती है। गर्मियों के दिनों में इस समय थोड़ा बदलाव रहता है। कार्तिक शुक्ल एकादशी को श्यामजी के जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर के द्वार 24 घंटे खुले रहते हैं।

दर्शनीय स्थलः श्याम भक्तों के लिए खाटू धाम में श्याम बाग और श्याम कुंड प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं। श्याम बाग में प्राकृतिक वातावरण की अनुभूति होती है। यहां परम भक्त आलूसिंह की समाधि भी बनाई गई है। श्याम कुंड के बारे में मान्यता है कि यहां स्नान करने से श्रद्धालुओं के पाप धुल जाते हैं। पुरुषों और महिलाओं के स्नान के लिए यहां पृथक-पृथक कुंड बनाए गए हैं।

कैसे पहुँचें :

सड़क मार्ग - खाटू धाम से जयपुर, सीकर आदि प्रमुख स्थानों के लिए राजस्थान राज्य परिवहन निगम की बसों के साथ ही टैक्सी और जीपें भी यहां आसानी से उपलब्ध हैं।

रेलमार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन रींगस जंक्शन (15 किलोमीटर) है।

वायुमार्ग- यहां से निकटतम हवाई अड्डा जयपुर है, जो कि यहाँ से करीब 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

खाटू में श्याम के रूप में जिनकी पूजा की जाती है दरअसल वे भीम के पोते वीर बर्बरीक हैं। श्रीकृष्ण के वरदान स्वरूप ही उनकी पूजा श्याम रूप में की जाती है। भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की माता का नाम कामकटंककटा था, जिन्हें मोरवी के नाम से जाना जाता है। अतः बर्बरीक को मोरवीनंदन भी कहा जाता है। उन्होंने युद्ध कला अपनी मां सीखी। कठोर तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया और तीन अमोघ बाण प्राप्त किए। इसी कारण उन्हें तीन बाणधारी के नाम से भी जाना जाता है। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया। बर्बरीक तीनों लोकों को जीतने की सामर्थ्य रखते थे।

कौरवों और पांडवों के बीच महाभारत युद्ध तैयारियां पूरे जोरों पर थीं। चारों ओर इस युद्ध की चर्चाएं थीं। यह समाचार जब बर्बरीक को मिला तो उनकी भी युद्ध में शामिल होने की इच्छा हुई। वे अपनी मां से युद्ध में शामिल होने की अनुमति लेने पहुंचे। उन्होंने मां से आशीर्वाद लिया और उन्हें वचन दिया कि वे हारे हुए पक्ष का ही साथ देंगे।

वे अपने नीले रंग के घोड़े पर सवार होकर तथा तीन बाण और धनुष लेकर युद्धक्षेत्र कुरुक्षेत्र की ओर प्रस्थान कर गए। मार्ग में उन्हें एक ब्राह्मण ने रोका और परिचय पूछा। यह ब्राह्मण और कोई नहीं लीलाधर कृष्ण स्वयं थे। योगेश्वर ने बर्बरीक पर व्यंग्य किया और पूछा क्या वह सिर्फ तीन बाण लेकर युद्ध में सम्मिलित होने आया? इस पर वीर बर्बरीक ने कहा कि शत्रु सेना को धराशायी करने के लिए मेरे तीन बाण ही काफी हैं। उन्होंने कहा कि यदि मैंने तीनों बाणों का प्रयोग कर लिया तो त्रिलोक में हा-हाकार मच जाएगा।

और कृष्ण ने बर्बरीक का शीश मांग लिया इस पर कृष्ण ने अपनी जगतमोहिनी मुस्कान के साथ बर्बरीक को चुनौती दी और पीपल के एक वृक्ष को संकेत करते हुए कहा कि इसके सभी पत्तों को छेदकर बतलाओ तो जानें। बर्बरीक चुनौती को स्वीकार करते हुए अपने तरकस से एक तीर निकाला और पत्तों की ओर चलाया। क्षणभर में पत्तों को बेध कर बाण कृष्ण के आसपास मंडराने लगा। दरअसल, उन्होंने उस वृक्ष का एक पत्ता अपने पांव के नीचे छिपा लिया था। इस पर बर्बरीक बोला- अपना पांव हटा लीजिए अन्यथा यह तीर आपको भी चोट पहुंचा सकता है। पूरी स्थिति को समझकर कृष्ण ने अपनी वाणी का तीर चलाया और बर्बरीक से पूछा- आखिर तुम किस पक्ष की ओर से युद्ध लड़ोगे। उसने अपनी मां को दिए वचन की बात बताई और कहा जो भी पक्ष इस युद्ध में कमजोर साबित होगा मैं उसकी तरफ से ही युद्ध करूंगा।

कृष्ण जानते थे यदि बर्बरीक ने कौरवों का साथ दिया तो जीती हुई बाजी उनके हाथ से निकल सकती है। ब्राह्मण वेशधारी कृष्ण ने बर्बरीक से वचन लिया और दान में उसका सिर मांग लिया। बर्बरीक क्षण भर के हतप्रभ रह गए, लेकिन वे वचन दे चुके थे। उससे मुकरना भी नहीं चाहते थे। बर्बरीक ने सोचा कि ये कोई साधारण ब्राह्मण नहीं हैं। अतः ब्राह्मण से अपने वास्तविक स्वरूप में आने की प्रार्थना की। कृष्ण न सिर्फ वास्तविक रूप में प्रकट हुए बल्कि बर्बरीक की इच्छा अनुसार उसे अपने विराट रूप के भी दर्शन कराए।

बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है, कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। उनका सिर युद्धभुमि के समीप ही एक पहाड़ी पर स्थापित किया गया, जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे।

युद्ध समाप्त हो चुका था। पांडवों में विजय का श्रेय लेने के लिए बहस जारी थी। इस पर कृष्ण ने कहा कि बर्बरीक का शीश संपूर्ण युद्ध का साक्षी है। अतः उससे बेहतर निर्णायक कोई और हो ही नहीं सकता। इस बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि महाभारत युद्ध में चारों ओर भगवान कृष्ण ही नजर आए। युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखाई दे रहा था, जो शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली भी कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना का रक्तपान कर रही थीं।

देवभूमि और श्रद्धालुओं की रक्षक धारी देवी

उत्तराखण्ड के श्रीनगर में प्राचीन एवं ऐतिहासिक धारी माता मंदिर विस्थापित किये जाने के बाद से कहा जा रहा है कि मंदिर से जैसे ही धारी माता की मूर्ति हटाई गई थी, उसके तुरंत बाद ही इस पर्वतीय राज्य में प्रलय जैसी स्थिति निर्मित हुई। हालांकि विज्ञान के इस युग में इस तर्क से सहमत नहीं हुआ जा सकता फिर भी स्थानीय लोगों का मानना है कि धारी माता मंदिर विस्थापन की वजह से ही यह तबाही आई। परंपरागत रूप से माना जाता है कि धारी माता, चारों धाम की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं और उत्तराखण्ड की जनता की रक्षक माता हैं। नवरात्रि के दिनों में यहां अच्छी खासी रौनक रहती है और दूर दूर से श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए मन्नत मांगने आते हैं।

श्रीमद् भागवत गीता में बताया गया है कि 108 शक्ति पीठों में से एक मां धारी देवी का पवित्र मन्दिर अलकनंदा नदी के किनारे श्रीनगर-बद्रीनाथ राजमार्ग पर स्थित है। कहा जाता है कि मां धारी देवी की इस मूर्ति का रूप समय के साथ बदलता रहता है। स्थानीय मान्यता के मुताबिक एक बार मंदिर में बाढ़ आ गई तो मूर्ति चल कर एक चट्टान पर आ गई और रोने लगी, जब ग्रामीणों ने मूर्ति का रोना सुना तो वे वहां पहुंचे तब दिव्य शक्ति ने उनसे उस जगह पर मूर्ति स्थापित करने के लिए कहा। तभी से वह मूर्ति वहां स्थापित थी जिसे हाल ही में विस्थापित किया गया। हालांकि धारी देवी की मूर्ति हटाने का भारी विरोध हुआ लेकिन कथित रूप से बिजली संयंत्र माफिया के दबाव के आगे प्रशासन झुक गया जो मंदिर की जगह एक बड़ा ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना चाहता था।

धारी देवी इस क्षेत्र की कुलदेवी भी हैं जिन्हें गांव के लोग सदियों से पूजते आए हैं। पौराणिक मान्यता है कि पिछले 800 सालों से धारी देवी अलकनंदा नदी के बीच बैठकर नदी की धारा को काबू में रखती थीं। 16 जून 2013 को स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद धारी देवी का मंदिर नदी के बीच से हटाकर ऊपर सुरक्षित जगह पर लाया गया और उसी शाम केदारनाथ में बादल फटा। कुछ संतों का भी कहना है कि धारी देवी की मूर्ति को हटाया गया था और इसी कारण जलप्रलय हुआ जो निश्चित रूप से धारी देवी का ही प्रकोप है। उनका यह भी कहना है कि धारी देवी के गुस्से से ही केदारनाथ और उत्तराखंड के अन्य इलाकों में तबाही मची। धारी देवी देश के नास्तिक लोगों को समझाना चाहती थीं कि हिमालय और यहां की नदियों को ना छुआ जाए।

धारी देवी मंदिर को हटाने का विरोध इस तर्क के साथ भी हो रहा था कि मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होती है, हिंदू धर्म में माना जाता है कि मूर्ति में प्राण है, ऐसे में शक्तिपीठों में शामिल मां धारी देवी मंदिर को हटाने की अनुमति कैसे दी जा सकती है। साथ ही यह भी तर्क दिया जा रहा था कि यदि बांध बनेगा तो गंगा कहां बचेगी। गंगा की अविरलता से ही जीवन बचेगा। मां काली का रूप मानी जाने वालीं धारी देवी के इस मंदिर के बारे में यह भी कहा जाता है कि 1880 में भी धारी देवी को हटाने का प्रयास हुआ था, तब भी केदारनाथ में भयंकर बाढ़ आ गई थी। उसके पश्चात धारी देवी को फिर किसी ने हटाने का प्रयास नही किया। मान्यताओं के मुताबिक धारी देवी और केदारनाथ दोनों की स्थापना तंत्र-शास्त्र पर की गई है, जो पहाड़ों और नदियों की बाढ़ से इस क्षेत्र की रक्षा करती हैं।

वास्तु के अनुसार सजांए पूजा घर

आज हर किसी के घर में कोई ना कोई समस्या बनीं ही रहती है। लोग चाहे कितना भी खुश क्यों ना रहना चाहें। वह किसी अनहोनी से परेशान रहते ही हैं। इसका कारण यह भी हो सकता है कि हम वास्तु से अनजान हों। क्योंकि अक्सर हम अपनी खुशी में वास्तु और भगवान को भूल जाते हैं। हालांकि सभी के घर में पूजा घर जरूर होता है। लेकिन कई लोग बिना सोचे समझे घर में पूजा घर का निर्माण करवा लेते हैं और कई लोग वास्तु को देख कर इसका निर्माण करवाते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के शुरुआती दरवाजे से लेकर बालकनी तक प्रयोग किया जाता है। यहां तक कि लोग अपने घर को सजाते भी वास्तु को ध्यान में रख कर ही हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर घर नहीं भी बना है तो भी आप इसके अनुसार अपना पूजा घर बनवा सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार पूजा घर की दिशा, उसकी जगह, किस धातु से बना है मंदिर आदि.. और भी कुछ नियम अहम होते हैं। तो आइये जानते हैं कि वास्तु शास्त्र के अनुसार कैसा होना चाहिये आपका पूजा घर।

पूर्व, उत्तर और पूर्वोत्तर कि दिशा सबसे अच्छी होती है पूजा घर बनाने के लिये। अगर आपका घर तीन तल्ले का है तो अच्छा होगा कि आप अपना पूजा घर नीचे वाले फ्लोर पर ही बनवाएं। पूजा घर के सामने, बगल, ऊपर या नीचे टॉयलेट और किचन नहीं होना चाहिये। अगर घर में जगह कि कमी है और पूजा घर बेडरूम में है तो ध्यान रखें कि कभी भी आप अपना पैर मंदिर कि ओर कर के न सोएं। पूजा घर के लिए प्रायः हल्के पीले रंग को शुभ माना जाता है, अतः दीवारों पर हल्का पीला रंग का प्रयोग आप निश्चित होकर कर सकते हैं। वास्तु के अनुसार तिकोने आकार का पूजा घर बहुत अच्छा माना जाता है। पूजा घर की छत भी तिकोनी होनी चाहिये जिससे अच्छी शक्ति बनी रहे। भगवान कि मूर्ती को रखते वक्त ध्यान रखें कि उन सब कि मूर्तियां एक-एक इंच कि दूरी पर रखी गई हो। मूर्तियों को एक दूसरे के सामने नहीं रखना चाहिये। मूर्तियों को पूर्व, पश्चिम और उत्तर पूर्व में रखें। पूजा घर को सजाने के लिये तांबे के ही बर्तन का इस्तमाल करें। दिया हमेशा भगवान की मूर्ती के सामने ही जलना चाहिये। अपने पूजा घर में भगवान कि मूर्ति के साथ परिवार के मरे हुए सदस्यों कि तस्वीरें न रखें। अपने पूजा घर को हमेशा साफ-सुथरा बनाए रखना चाहिये। साथ ही इसमें कभी सोना नहीं चाहिये और न ही कोई कबाड़ रखना चाहिये।

वास्तु से जाने शुभ-अशुभ के इशारे

अक्सर हमारे बड़े बुजुर्ग शुभ-अशुभ के बारे में बातें किया करते हैं और यह कहा करते हैं कि यह मत करो अशुभ होता है।वहां मत जाए वो जगह शुभ नहीं है।भारतीय प्राचीन ग्रंथों एवं जीव संबंधों के बारे में अनेकानेक तथ्यों से शुभाशुभ की जानकारी किसी भी स्थान पर रहने वालों को प्राप्त होती रहती है। प्रकृति को विभिन्न विकिरणों एवं संदेशों को समझने एवं ग्रहण करने की क्षमता मनुष्य से कई गुना अधिक होती है। तदानुसार वे अपने माध्यम से मनुष्य को आने वाले शुभाशुभ की जानकारी देते रहते हैं। ऐसे ही कुछ प्रमुख शकुन एवं अपशकुन की जानकारी आपको दे रहे हैं लेकिन इन्हें प्रयोग में लाने से पूर्व किसी विवाद में न पड़ कर स्वयं समय-समय पर इनका निरीक्षण परीक्षण आप स्वयं ही कर सकते हैं।

1. जिस भवन के द्वार पर आकर गाय जोर-जोर से रंभाए तो निश्चय ही उस घर के सुख में वृद्धि होती है।
2. जिस घर में काली चींटियां समूह वृद्ध होकर घूमती हों वहां ऐश्वर्य वृद्धि होती है, किंतु मतभेद भी होते हैं।
3. भवन के सम्मुख कोई कुत्ता भवन की ओर मुख करके रोए तो निश्चय ही घर में कोई विपत्ति आने वाली है अथवा किसी की मृत्यु होने वाली है।
4. घर में प्राकृतिक रूप से कबूतरों का वास शुभ होता है।
5. पीला बिच्छू माया का प्रतीक है। पीला बिच्छू घर में निकले तो घर में लक्ष्मी का आगमन होता है।
6. घर में मकड़ी के जाले नहीं होने चाहिएं, वे शुभ नहीं होते।
7. घर की सीमा में मयूर का रहना या आना शुभ होता है।
8. जिस घर में बिच्छू कतार बना कर बाहर जाते हुए दिखाई दें तो समझ लेना चाहिए कि वहां से लक्ष्मी जाने की तैयारी कर रही हैं।
9. जिस भवन में बिल्लियां प्रायः लड़ती रहती हैं वहां शीघ्र ही विघटन की संभावना रहती है विवाद वृद्धि होती है। मतभेद होता है।
10. जिस घर में प्रायः बिल्लियां आकर विष्ठा कर जाती हैं, वहां कुछ शुभत्व के लक्षण प्रकट होते हैं।
11. घर में चमगादड़ों का वास अशुभ होता है।
12. जिस भवन में छछूंदरें घूमती हैं वहां लक्ष्मी की वृद्धि होती है।
13. जिस भवन की छत पर कौए, टिटहरी अथवा उल्लू घोर शब्द करें तब वहां किसी समस्या का उदय अचानक होता है।
14. जिस घर में काले चूहों की संख्या अधिक हो जाती है वहां किसी व्याधि के अचानक होने का अंदेशा रहता है।
15. जिस घर की छत या मुंडेर पर कोयल या सोन चिरैय्या चहचहाए, वहां निश्चित ही श्री वृद्धि होती है।
16. जिस घर के आंगन में कोई पक्षी घायल होकर गिरे वहां दुर्घटना होती है।
17. जिस घर के द्वार पर हाथी अपनी सूंड ऊंची करे वहां उन्नति, वृद्धि तथा मंगल होने की सूचना मिलती है।

धनिष्ठा नक्षत्र में जन्मे व्यक्ति पाते हैं पारिवारिक सुख

जब किसी की शादी होती है। तो बस वह यही सोचता है कि मेरा जो जीवनसाथी है। वह मेरा और मेरे परिवार का ख्याल रखे। आपसी सामंजस्य बिठा सके। लेकिन इसके साथ-साथ सुन्दर भी हो और योग्य भी। ऐसे जीवनसाथी के लिए लोग ना जाने कैसे-कैसे जतन किया करते हैं। कभी व्रत रखते हैं तो कभी पूजा अर्चना में इतना लीन हो जाते हैं कुछ ना कुछ त्याग देते हैं। कुछ लोग देवी-देवताओं की आराधना करते हैं तो कुछ ज्योतिषीय उपाय करके सुन्दर पत्नी पाना चाहते हैं। किन कुछ ऐसे भाग्यशाली लोग होते हैं जिन्हें ईश्वर साक्षात लक्ष्मी स्वरूप पत्नी प्रदान करते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार जिन लोगों का जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र में होता है वह ऐसे ही भाग्यशाली लोग होते हैं। इस नक्षत्र का स्थान 27 नक्षत्रों में से 23 वां है। इस नक्षत्र में जिन लोगों का जन्म होता है वह दिखने में छरहरे होते हैं। धर्म-कर्म एवं ईश्वर में इनकी गहरी आस्था होती है। इनका हृदय काफी भावुक होता है, जहां तक हो सके इनकी यही कोशिश होती है कि इनके व्यवहार से किसी को कष्ट ना पहुंच सके। इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति पर शनि एवं मंगल का प्रभाव रहता है क्योंकि इसके दो चरण मकर और दो चरण कुंभ राशि में होते हैं। जबकि इसका स्वमी मंगल ग्रह होता है।

इसलिए शादी से पहले देखी जाती है लड़कियों की चाल

धनिष्ठा नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति की बुद्धि प्रखर होती है। इतिहास एवं विज्ञान विषयों में इनकी रूचि होती है। ऐसे व्यक्ति मन की बातों को जल्दी किसी पर जाहिर नहीं होने देते। स्वास्थ्य आमतौर पर सामान्य होता है। इन्हें कफ जनित रोग की संभावना रहती है। खान-पान में रक्त बढ़ाने वाले पदार्थ का सेवन करना इनके लिए फायदेमंद होता है। इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति का पारिवारिक जीवन सुखी होता है। जिन महिलाओं का जन्म इस नक्षत्र में होता है वह गुणवान और गृह कार्य में दक्ष होते हैं। अपने कुशल व्यवहार से परिवार में तालमेल बनाए रखती हैं।

यात्री बस पर आतंकियों ने की अंधाधुंध गोलीबारी, 10 की मौत, 25 घायल

रावलपिंडी । पाकिस्तान में एक यात्री बस पर आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। इसमें 10 लोगों की मौत हो गई जबकि 25 अन्य घायल हो गए हैं। यह घटना गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में काराकोरम राजमार्ग की बताई जा रही है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए डायमेर के डिप्टी कमिश्नर कैप्टन (सेवानिवृत्त) आरिफ अहमद ने कहा कि घटना शनिवार शाम 6:30 बजे चिलास के हुदुर इलाके में हुई, जब आतंकवादियों ने बस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू की, जिससे चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। अधिकारी ने कहा कि हमले में मारे गए अधिकांश यात्री देश भर से थे, जिनमें कोहिस्तान, पेशावर, ग़िज़र, चिलास, राउंडु, स्कर्दू, मनसेहरा, स्वाबी और सिंध के एक या दो लोग शामिल थे। डायमेर के डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि हमले में मारे गए लोगों में दो सैनिक भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट का एक सदस्य भी घायल हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डायमर के पुलिस अधीक्षक सरदार शहरयार ने कहा कि घटनास्थल पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले लोग काराकोरम हाईवे (केकेएच) पुलिस कर्मी थे। एसपी ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद अन्य वाहनों को काफिले के रूप में वहां से ले जाया गया। जिस जगह पर हमला हुआ था, वहां सबूत इकट्ठा करने के लिए घेराबंदी कर दी गई है। घायल लोगों को क्षेत्रीय मुख्यालय अस्पताल चिलास में भर्ती कराया गया है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक किसी भी समूह ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है और गोलीबारी का मकसद स्पष्ट नहीं है। इधर सीएम हाजी गुलबार खान ने घटना की निंदा की और यात्री बस पर हुए हमले को आतंकवाद की कायरतापूर्ण कार्रवाई करार दिया।

फिलिस्तीन समर्थक रैली के दौरान टिप्पणियों के लिए सुसान सरंडन ने मांगी माफी

लॉस एंजेलिस । पिछले महीने न्यूयॉर्क में फिलिस्तीन समर्थक रैली में की गई विवादास्पद टिप्पणियों के लिए एक्ट्रेस सुसान सरंडन ने माफी मांगी है। बता दें कि 17 नवंबर की रैली में एक्ट्रेस ने कहा था कि ऐसे बहुत से लोग हैं जो डरे हुए हैं, जो यहूदी होने से डरे हुए हैं और इस देश में मुस्लिम होना कैसा होता है, इसका अनुभव कर रहे हैं, जिन्हें अक्सर हिंसा का शिकार होना पड़ता है। हालांकि हॉलीवुड एजेंसी यूटीए ने बाद में टिप्पणियों के कारण सरंडन को क्लाइंट के रूप में हटा दिया। इस संबन्ध में देर रात इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट पर सरंडन ने लिखा कि मेरा इरादा सभी प्रकार की कट्टरता के खिलाफ संघर्ष में एकजुटता दिखाने का था, और मुझे खेद है कि मैं ऐसा करने में विफल रही। सरंडन ने लिखा, हाल ही में, मैंने गाजा में तत्काल मानवीय संकट को उजागर करने और युद्धविराम का आह्वान करने वाले कार्यकर्ताओं के एक विविध समूह के साथ एक रैली में भाग लिया। उन्होंने कहा कि मैंने भाषण के बारे में कुछ भी नहीं सोचा था लेकिन मुझे स्टेज पर आने और कुछ शब्द कहने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ती नफरतों के प्रति अपनी चिंता व्यक्त करते हुए, मैंने कहा कि यहूदी-अमेरिकियों, बढ़ती यहूदी-विरोधी नफरत के लक्ष्य के रूप में, इस देश में मुस्लिम होना कैसा होता है, इसका अनुभव ले रहे हैं, उन्हें अक्सर हिंसा का शिकार होना पड़ता है। यह टिप्पणी एक बड़ी गलती थी, क्योंकि सच्चाई इसके विपरीत है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, यूरोप में सदियों से चले आ रहे उत्पीड़न और नरसंहार से लेकर पिट्सबर्ग, पीए में ट्री ऑफ लाइफ की शूटिंग तक, यहूदी लंबे समय से भेदभाव और धार्मिक हिंसा से परिचित हैं जो आज भी जारी है। मुझे इस टिप्पणी से लोगों को ठेस पहुंची, इसका मुझे गहरा अफसोस है।

गिलगित बल्तिस्तान में यात्रियों से भरी बस पर आतंकियों ने की फायरिंग 8 की मौत, 26 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित बल्तिस्तान में आतंकियों ने यात्रियों से भरी बस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई जबकि 26 यात्री घायल हुए हैं। इसमें से कुछ लोग गंभीर रुप से घायल है। मृतकों में (पाकिस्तानी) सेना के दो जवान भी शामिल हैं और विशेष सुरक्षा इकाई का एक कर्मी भी घायल हुआ है। हमले के बाद आतंकी घटना स्थल से से भागने में सफल रहे। हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी संगठन ने नहीं ली है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब बस गिलगित से रावलपिंडी जा रही थी, तभी चिलास में शाम करीब साढ़े छह बजे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। अधिकारी ने बताया कि हमले के बाद चालक ने बस पर नियंत्रण खो दिया और यह सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। चिलास के उपायुक्त आरिफ अहमद ने कहा कि हमले में मारे गए आठ लोगों में से अब तक पांच की पहचान हो चुकी है।

एफ-35 फाइटर जेट को एक चिड़िया से टकराना पड़ा महंगा, बन गया कबाड़

-750 करोड़ के लड़ाकू विमान की मरम्मत के कंपनी ने मांगे 900 करोड़ रुपये

सियोल ।दुनिया के सबसे महंगे और आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-35ए स्टील्थ फाइटर जेट से एक चिड़िया का टकराना महंगा पड़ गया है। क्यों?कि 750 करोड़ के लड़ाकू विमान की मरम्मत के कंपनी ने 900 करोड़ रुपये मांगे है। इस लड़ाकू विमान के चिड़िया से टक्कर होने के बाद कबाड़ में बदलते देखकर पूरी दुनिया के डिफेंस एक्सपर्ट्स हैरान हैं। दर असल दक्षिण कोरियाई वायु सेना ने पिछले साल एक पक्षी से टकराने की घटना में काफी नुकसान होने के बाद एफ-35ए स्टील्थ विमान को अब सेवा रिटायर करने के अपने फैसले की घोषणा की है। जनवरी 2022 में एक ट्रेनिंग के दौरान एक पक्षी के टकराने के बाद एक दक्षिण कोरियाई एफ-35 पायलट को 'बेली लैंडिंग' करने के लिए मजबूर होना पड़ा। जिसके कारण एफ-35 के उड़ान सिस्टम में खराबी आ गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक उस समय दक्षिण कोरिया की वायुसेना ने खुलासा किया था कि एफ-35 विमान को एक 10 किलो के ईगल ने टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना के कारण हाइड्रोलिक डक्ट और बिजली आपूर्ति केबल क्षतिग्रस्त हो गए। इससे लैंडिंग गियर को चलाने में बाधा पैदा हुई। नतीजतन, विमान को बेली लैंडिंग करनी पड़ी, लेकिन पायलट सुरक्षित रहा। इसके मरम्मत के खर्चों को जानकर दक्षिण कोरिया की एयरफोर्स के होश उड़ गए। विमान को बनाने वाली लॉकहीड मार्टिन कंपनी ने लगभग 300 महंगे और जरूरी उपकरणों को खतरनाक नुकसान होना बताया। कंपनी ने मरम्मत की लागत लगभग 140 अरब वॉन (10.76 करोड़ डॉलर या 900 करोड़ रुपये के बराबर) बताई। जो उसकी खरीद की कीमत करीब 750 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। इसको देखते हुए वायु सेना ने एफ-35 को रिटायर कर देने में ही भलाई समझी है।

सोलर मिशन आदित्य एल1 ने किया काम शुरू, सौर हवाओं का किया अध्ययन

नई दिल्ली । इसरो के सोलर मिशन आदित्य एल1 ने अपना काम शुरु कर दिया है। आदित्य एल1 ने आज एक बड़ी छलांग लगाते हुए सौर हवाओं का अवलोकन करना शुरू कर दिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जानकारी देतें हुए कहा कि उपग्रह पर मौजूद आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट पेलोड ने अपना काम करना शुरू कर दिया है और सामान्य रूप से काम कर रहा है। आदित्य एल1 के एएसपीएक्स में दो उपकरण- सोलर विंड आयन स्पेक्ट्रोमीटर

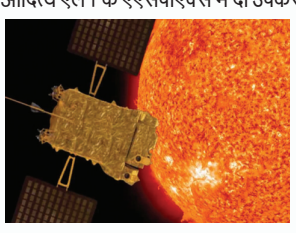

और सुप्राथर्मल एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर शामिल हैं। इसरो ने कहा कि स्टेप्स ने 10 सितंबर को काम करना शुरू कर दिया था, स्विस उपकरण शनिवार को सक्रिय हो गया और इसने उम्मीद के अनुरुप ही अपना प्रदर्शन किया है। अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने एक्स पर एक फोटो भी डाला है, जो नए पेलोड के जरिए कैप्चर किए गए प्रोटॉन और अल्फा कणों की संख्या में ऊर्जा के अंतर को पेश करता है। गौरतलब है कि इसरो ने अपने सौर मिशन आदित्य एल1 को 2 सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से रवाना किया था। इस मिशन के प्रमुख उद्देश्यों में सौर कोरोना की भौतिकी, इसके ताप तंत्र, सोलर विंड की रफ्तार, सौर वायुमंडल के संगठन, गतिशीलता, सौर वायु वितरण, कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई), फ्लेयर्स, पृथ्वी के नजदीक अंतरिक्ष मौसम की उत्पति और तापमान का अध्ययन शामिल है। हालांकि इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा था कि आदित्य एल1 अपने अंतिम चरण के करीब है और एल1 बिंदु में प्रवेश करने की प्रक्रिया सात जनवरी, 2024 तक पूरी होने की उम्मीद है। इसरो प्रमुख ने पहले ध्वनि रॉकेट प्रक्षेपण के 60वें वर्ष के उपलक्ष्य में विक्रम साराबाई अंतरिक्ष केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर कहा था कि 'आदित्य रास्ते में है।

म्यूनिख में भारी बर्फबारी के बाद सड़कों पर बर्फ से ढके वाहन। बर्फबारी के बाद जर्मन बुंडेसलीगा फुटबॉल मैच को रद्द करना पड़ा। मौसम की स्थिति के कारण ट्रेनें रुक गईं और हवाईअड्डा बंद कर दिया गया।

पाकिस्तान में नवंबर में आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी : रिपोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में नवंबर महीने में आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इस महीने देश में 63 आतंकवादी हमले हुए। एक थिंक टैंक की रिपोर्ट में रविवार को यह जानकारी दी गई। 'डॉन' समाचार पत्र ने 'पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज' (पीआईसीएसएस) थिंक टैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि नवंबर में 63 आतंकवादी हमलों में 83 लोगों की मौत हुई, जिनमें सुरक्षा बलों के 37 जवान और 33 आम नागरिक शामिल थे। इस्लामाबाद से संचालित थिंक टैंक के अनुसार, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 53 आम नागरिकों और सुरक्षा बलों के 36 कर्मियों सहित 89 व्यक्ति घायल हुए। अक्टूबर के आंकड़ों की तुलना में, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की वृद्धि, मृतक संख्या में 63 प्रतिशत की वृद्धि और घायल व्यक्तियों की संख्या में 89 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नवंबर में कम से कम 59 आतंकवादियों को मार गिराया और कम से कम 18 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। आंकड़ों के अनुसार, 2023 के पहले 11 महीनों में 2022 की इसी अवधि की तुलना में आतंकवादी हमलों में 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान घायलों की संख्या में भी 64 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से नवंबर 2023 तक हुए 599 आतंकवादी हमलों में कुल 897 लोगों की मौत हुई और 1,241 लोग घायल हुए। पाकिस्तान का अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत आतंकवादी हमलों से सबसे अधिक प्रभावित हुआ और वहां 51 हमलों में 54 लोगों की मौत हुई और 81 लोग घायल हुए। बलूचिस्तान प्रांत में नौ हमले हुए जिनमें 18 लोगों की मौत हुई। इनमें सुरक्षा बलों के 15 जवान और तीन आम नागरिक शामिल थे।

किसी की नहीं सुन रहा इजरायल, भीड़ वाले इलाकों में कर रहा है बमबारी

गाजा (एजेंसी)। गाजा में आम लोगों की सुरक्षा को लेकर कई देशों ने चिंता व्यक्त की है। इन देशों ने इजरायल से अपील की थी कि नागरिकों किसी भी सूरत में हानि नहीं होना चाहिए। इसके बाद भी इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में भीड़ भाड़ वाले ठिकानों पर हमला कर दिया जहां बड़ी संख्या में लोगों को मौत हो गई।गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस क्षेत्र पर शासन करने वाले चरमपंथी संगठन हमास के साथ एक सप्ताह के संघर्ष विराम के बाद शुक्रवार सुबह फिर से शुरू हुई लड़ाई में कम से कम 200 फिलस्तीनी मारे गए हैं। हमास शासित गाजा के मंत्रालय ने अलग से घोषणा की कि सात अक्टूबर को इजराइल-हमास युद्ध की शुरुआत के बाद से गाजा में मरने वालों की कुल संख्या 15,200 से अधिक हो गई है, मरने वालों की पूर्व संख्या 13,300 से काफी अधिक है।

युद्ध के कारण 'कनेक्टिविटी' और अस्पताल संचालन में व्यवधान आने के बाद मंत्रालय ने 11 नवंबर से दैनिक आधार पर कुल मृतकों का आंकड़ा देना बंद कर दिया था। मंत्रालय नागरिकों और लड़ाकों के बीच अंतर नहीं करता है, लेकिन शनिवार को कहा कि मृतकों में 70 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे थे। इसने कहा कि पिछले दो महीनों में 40 हजार से अधिक लोग घायल हुए हैं। अस्थायी संघर्ष विराम के टूटने पर इजराइल से उसके निकटतम सहयोगी अमेरिका ने फिलस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया था। यह अपील युद्ध के पहले हफ्तों में जबरदस्त हवाई और

जमीनी हमले के बाद आई जिसमें उत्तरी गाजा के बड़े क्षेत्रों को तबाह कर दिया गया और हजारों फलस्तीनी नागरिक मारे गए तथा हजारों लोग विस्थापित हुए। लगभग 20 लाख फलस्तीनी नागरिक, जो गाजा की लगभग पूरी आबादी है, अब क्षेत्र के दक्षिणी आधे हिस्से में सिमटकर रह गये हैं।

इजरायली सेना ने शनिवार को कहा कि उसने हवाई हमले, टैंकों से गोले दागकर और नौसेना की तोपों के जरिये पिछले दिन गाजा में हमास के 400 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया। इसमें गाजा के दक्षिणी हिस्से में स्थित खान यूनिस शहर और आसपास के इलाकों में किये गये 50 से अधिक हमले शामिल थे। कई घर और इमारतों को निशाना बनाया गया। जिस अस्पताल में शव ले जाए गए उसके अनुसार, दक्षिण के दीर अल-बलाह शहर में एक घर पर हुए हमले में तीन बच्चों सहित कम से कम नौ लोग मारे गए। अस्पताल पर रातभर किये गये हवाई हमले में मारे गए दो बच्चों समेत सात अन्य लोगों के शव भी प्राप्त हुए। इस बीच, गाजा में फलस्तीन के आतंकवादी समूहों ने कहा है कि उन्होंने दक्षिणी इजराइल पर रॉकेटों की बौछार की। गाजा पट्टी के निकट समुदायों में सायरन की आवाज़ सुनी गई लेकिन किसी तरह की क्षति या किसी के घायल होने की तत्काल कोई खबर नहीं मिली। वहीं दूसरी तरफ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शनिवार को दुबई में सीओपी28 जलवायु सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि वह आत्म रक्षा के इजरायल के अधिकार को स्वीकार करते हैं, लेकिन नागरिकों पर हमला करने का कोई अधिकार नहीं है।

अमेरिका ने जलवायु शिखर सम्मेलनः इस्राइल-हमास युद्ध पर अमरीकी उपराष्ट्रपति ने जताई चिन्ता

- युद्ध समाप्ति पर विमर्श का किया आह्वान

वाशिंगटन (एजेंसी)। जलवायु पर दुबई में चल रहे शिखर सम्मेलन में अमरीकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने गाजा के हालात पर चर्चा की मांग करते हुए कहा कि अरब के नेताओं और अन्य देशों के प्रमुखों के साथ इस बात पर चर्चा की जाए कि युद्ध का कैसे अंत किया जाए। गौरतलब है कि हमास द्वारा सप्ताह भर के युद्धविराम पश्चात इजरायली सैन्य बलों ने गाजा पट्टी पर कथित तौर पर हवाई हमलों के साथ बमबारी शुरू कर दी। इजरायल ने आरोप लगाया कि हमास द्वारा इजरायल की ओर रॉकेट दागकर संघर्ष विराम का उल्लंघन करने के बाद उसने युद्ध का आगाज किया। हमास के अधिकारियों ने इजरायलियों को दोषी ठहराते हुए कहा कि उन्होंने बुजुर्ग बंधकों को रिहा करने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया और साथ ही इजरायली हवाई हमलों में कथित तौर पर मारे गए तीन बंधकों के शवों पर भी दावा किया। इससे पहले अमरीकी राष्ट्रपति ने विस्तारित युद्धविराम के उल्लंघन के लिए सीधे तौर पर हमास को दोषी ठहराया है।

गौरतलब है कि सप्ताहभर चले युद्धविराम में 100 से अधिक बंधकों, दो अमेरिकियों सहित सभी महिलाओं और बच्चों को हमास की कैद से मुक्त कराया गया। एक महिला सहित सात अमेरिकी लापता हैं। बदले में इजरायल में कैद 240 से अधिक फ़िलिस्तीनियों को रिहा कर दिया गया। शुक्रवार को व्हाइट हाउस ने कहा कि हमास उन बंधकों की सूची देने में विफल रहा, जिन्हें आतंकवादी संगठन रिहा करेगा। इजरायल और हमास ने इस बारे में परस्पर विरोधी बातें कहीं।रणनीतिक संचार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समन्वयक जॉन किर्बी ने कहा कि यह हमास के कारण है कि यह ठहराव समाप्त हुआ। वे असमर्थ थे और बंधकों की एक सूची तैयार करने में विफल रहे, जो युद्धविराम को बढ़ाने में मदद कर सकता था। राष्ट्रपति जो बाइडेन राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के साथ बंधकों की रिहाई को लेकर वार्ता और युद्ध खत्म करने के प्रयासों में लगे हुए हैं। अमेरिका विराम लगाने और अधिक बंधकों को रिहा कराने के लिए एक और बड़ा प्रयास कर रहा था।

श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त ने की 'नॉर्दर्न प्रॉविंस' की यात्रा

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले ने देश के 'नॉर्दर्न प्रॉविंस' की यात्रा की और विकास के लिए सहयोग बढ़ाकर एवं विस्तारित आर्थिक साझेदारी के जरिए श्रीलंकाई लोगों के कल्याण को लेकर प्रतिबद्धता जताई। भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को एक बयान में बताया कि बागले ने श्रीलंका के नौ प्रांतों में शामिल नॉर्दर्न प्रॉविंस की 29 नवंबर से एक दिसंबर तक यात्रा की। इस दौरान उच्चायोग के अन्य वरिष्ठ राजनयिक भी उनके साथ थे। उच्चायुक्त ने 'हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली' परियोजना को लागू करने की तैयारियों का आकलन करने के लिए जाफना, नैनातिवु, अनालाइतिवु और डेल्फ्ट के तीन द्वीपों का दौरा किया। भारत सरकार इन द्वीपों के निवासियों की ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुदान के जरिए इस परियोजना में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में बताया गया कि इस यात्रा ने क्षेत्र के लोगों की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं के अनुसार विकास सहयोग बढ़ाकर और विस्तारित आर्थिक साझेदारी के माध्यम से नॉर्दर्न प्रॉविंस सहित पूरे श्रीलंका के लोगों के विकास और कल्याण को लेकर भारत की स्थायी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। उन्होंने भारत और श्रीलंका में पारस्परिक रूप से सहमत बिंदुओं के बीच नौका सेवाओं के माध्यम से संपर्क सुविधा बढ़ाने के लिए जारी प्रयासों के तहत थलाईमन्नार और कांकेसंथुराई यात्री प्रतिष्ठानों का दौरा किया।

ब्रेवरमैन व पटेल पर तस्करी पीड़ितों को ब्रिटेन में रहने के अधिकार से वंचित करने का आरोप

लंदन (एजेंसी)। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन के ब्रिटिश भारतीय पूर्व गृह सचिवों पर तस्करी के 1,600 पीड़ितों को देश में रहने के अधिकार से वंचित करने के लिए एक गुप्त नीति संचालित करने का आरोप लगाया गया है।

गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, गृह कार्यालय द्वारा की गई कार्रवाई नवंबर 2021 के उच्च न्यायालय के फैसले के बावजूद हुई, इसमें कहा गया था कि शरण के फैसले का इंतजार कर रहे तस्करी पीड़ितों को विवेकाधीन अवकाश दिया जाना चाहिए। इस सप्ताह की सुनवाई में, प्रीति पटेल और सुएला ब्रेवरमैन पर इन निर्णयों को जारी करने में गैरकानूनी रूप से विफल रहने का आरोप लगाया गया, इससे पीड़ित काम करने, अध्ययन करने या मुख्यधारा के लाभों का दावा करने के अधिकार तक पहुंचने में असमर्थ हो गए।

रिपोर्ट में 22 वर्षीय एक तस्करी पीड़ित का उल्लेख किया गया है, इसका प्रतिनिधित्व चैरिटी एसाइलम एड द्वारा किया जाता है, जो 16 वर्ष की उम्र में अल्बानिया में नशीली दवाओं के तस्करों से बच गया था। तस्करों ने उसे ड्रग्स बेचने के लिए मजबूर किया और ऐसा न करने पर उसे, उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई। लेकिन उनके वकीलों ने दावा किया कि गुप्त नीति के परिणामस्वरूप, उन्हें लगभग 18 महीने तक रहने की छुट्टी नहीं दी गई। जवाब में गृह सचिव के वकील ने तर्क दिया कि वे कार्रवाई करने से पहले नवंबर 2021 के ऐतिहासिक फैसले के खिलाफ अपील अदालत और सर्वोच्च न्यायालय में अपील के नतीजे का इंतजार कर रहे थे। गृह सचिव का प्रतिनिधित्व करने वाली कैथरीन मैकगेही ने अदालत को बताया,÷यह मामला देरी का है। यह गुप्त या अप्रकाशित नीतियों का मामला नहीं है।'

द गार्जियन के अनुसार, मामले से संबंधित आंतरिक गृह कार्यालय दस्तावेजों से पता चला है कि अधिकारियों ने सिफारिश की है कि रहने के लिए छुट्टी देने के निर्णय को ÷रोक÷ दिया जाना चाहिए।

गृह कार्यालय के एक अधिकारी के जुलाई 2022 के ईमेल में कहा गया है: '(नवंबर 2021 के फैसले) से प्रभावित सभी विवेकाधीन छुट्टी के फैसले फिलहाल रुके हुए हैं।' ब्रेवरमैन के कार्यालय के एक अधिकारी ने यह पूछे जाने पर कहा कि क्या 'कुछ न करना' एक विकल्प था पर कहा, ''हमारा समेकित दृष्टिकोण यह है कि यह कोई विकल्प नहीं है जिसे हम मंत्रियों को सुझा सकते हैं। हम निर्णय को लागू करने में देरी से जुड़े आधारों पर न्यायिक समीक्षाएं दर्ज होते हुए देख रहे हैं।' 22 वर्षीय पीड़ित के वकील ने इस सप्ताह अदालत को बताया कि 'एक अप्रकाशित नीति को संचालित करना गैरकानूनी है जो सार्वजनिक नीति के साथ असंगत है।'

नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के संकल्प से भारत और चाइना ने बनाई दूरी

दुबई (एजेंसी)। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के संकल्प से भारत और चाइना ने बनाई दूरी बनाई है। दोनो ही देशों ने इस संकल्प पर हस्ताक्षर करने से परहेज किया है। भारत और चीन ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (सीओपी28) में 2030 तक दुनिया की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने के इस समझोते से पहले भारत ने जी20 की अपनी अध्यक्षता के दौरान इसके लिए प्रतिबद्धता जतायी थी। यहां संयुक्त राष्ट्र की जलवायु वार्ता के दौरान, 118 देशों ने 2030 तक वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने की प्रतिबद्धता जताई।

इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य का उद्देश्य दुनिया के समग्र ऊर्जा उत्पादन में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करना है। संकल्प का समर्थन करने वाले देशों में जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चिली, ब्राजील, नाइजीरिया और बारबाडोस शामिल हैं। हालांकि, चीन और भारत ने 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा में तीन गुना वृद्धि के लिए समर्थन व्यक्त किया है, लेकिन उनमें से किसी ने भी शनिवार को औपचारिक रूप से समग्र संकल्प का समर्थन नहीं किया। इस प्रतिबद्धता में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कमी लाने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना शामिल है। इसमें, कोयला से उत्पादन की जाने वाली बिजली में चरणबद्ध तरीके से कमी लाने और कोयला चालित नए बिजली संयंत्रों के वित्तपोषण को समाप्त करने का आह्वान किया गया।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का कहना है कि जीवाश्म ईंधन की मांग को कम करने और सदी के अंत तक ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए दुनिया को 2030 तक अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना और ऊर्जा दक्षता की दर को दोगुना करना होगा। वैश्विक ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर द्वारा पिछले सप्ताह जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 14वीं राष्ट्रीय बिजली योजना (एनईपी) देश को 2030 तक अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना से अधिक करने की राह पर ले जाती है, लेकिन इसे हासिल करने के लिए नयी दिल्ली को 293 अरब अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी। भारत का वर्तमान लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 500 गीगावॉट स्थापित बिजली क्षमता तक पहुंचना है। भारत के फैसले पर भारतीय विशेषज्ञों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आयी है। सीनियर एसोसिएट और ई3जी में इंडिया एनर्जी ट्रांजिशन लीड मधुरा जोशी ने 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा को तीन गुना करने और ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने के लक्ष्य वाली वैश्विक संकल्प पर हस्ताक्षर नहीं करने के भारत के फैसले पर निराशा व्यक्त की।

इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस में दक्षिण एशिया के निदेशक विभूति गर्ग ने जी20 के हिस्से के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को तीन गुना करने की भारत की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुबई में सीओपी28 में दोहराया था। ऐसे में जब भारत नवीकरणीय ऊर्जा के लिए गंभीर महत्वाकांक्षाएं प्रदर्शित कर रहा, गर्ग ने कोयला के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से कम करने पर देश की चुप्पी का जिक्र किया।

विश्व संसाधन संस्थान (डब्ल्यूआरआई) भारत में जलवायु की कार्यकारी निदेशक उल्का केलकर ने भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान अपनाए गए नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने के वैश्विक लक्ष्य को रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ऊर्जा दक्षता को स्वच्छ ऊर्जा में बदलाव के एक महत्वपूर्ण घटक के तौर पर रेखांकित किया। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के महानिदेशक डॉ. अजय माथुर ने 2030 तक नवीकरणीय क्षमता को तीन गुना करने की वैश्विक प्रतिबद्धता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विकास को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन को कम करने के दोहरे लाभों पर जोर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हज के लिए फार्म भरने की शुरूआत 10 दिसंबर से

फिरोजाबाद । हज 2024 की पालिसी का ऐलान हो गया है। इस्लामिक सेंटर ने इसे लेकर मुस्लिम लोगों के लिए जानकारी दी है। इस्लामिक सेन्टर के सचिव हज कमेटी के मास्टर ट्रेनर मौलाना आलम मुस्तफा याकूबी ने कहा कि हज के लिए फार्म भरने की शुरूआत 10 दिसम्बर से हो सकती है। उन्होंने बताया कि हज पर जाने के लिए हज पॉलिसी की जानकारी जारी की है। हज आवेदन बिल्कुल फ्री होगा। इसके लिये ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। हज की यात्रा 30 से 45 दिन की होगी। हज की यात्रा के लिए 25 एयरपोर्ट होंगे। हज में बिना मेहरम के भी महिलाएं जा सकेंगीं। 45 साल से अधिक उम्र की महिला अब अकेले हज पर जाने को आवेदन कर सकती हैं। वर्ष 2016 से पहले हज पर जाने के लिए मेहरम का होना अनिवार्य था। इस बार चार महिलाओं का समूह एक साथ हज के लिए जा सकेगा।

फर्जी ऑफर और डिस्काउंट से लोगों को बचाने सरकार ने डार्क पैटर्न पर लगाया बैन

नई दिल्ली । सरकार ने फर्जी ऑफर व जाली डिस्काउंट से लोगों को बचाने कड़े कदम उठाए हैं। मिली जानकारी के अनुसार सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए ई-कॉमर्स मंचों पर 'डार्क पैटर्न' के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। बताया जा रहा है कि कंपनियां या कारोबारी 'डार्क पैटर्न' के जरिए ग्राहकों को धोखा देने या उनके व्यवहार अथवा पसंद को प्रभावित करने की कोशिश करते है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 30 नवंबर को इस संबंध में 'डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश' के लिए गजट अधिसूचना जारी की। यह अधिसूचना भारत में वस्तुओं और सेवाओं की पेशकश करने वाले सभी मंचों और विज्ञापनदाताओं तथा विक्रेताओं पर भी लागू है। जारी किए गए नए दिशानिर्देशों के मुताबिक डार्क पैटर्न का सहारा लेना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन होगा। इसे भ्रामक विज्ञापन या अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा। ऐसा करने पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार जुर्माना लगाया जाएगा। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि ई-कॉमर्स बढ़ने के साथ ही उपभोक्ताओं को उनकी खरीदारी के विकल्पों और व्यवहार में हेरफेर करके गुमराह करने के लिए मंचों द्वारा डार्क पैटर्न का तेजी से इस्तेमाल किया जा रहा है। सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि अधिसूचित दिशानिर्देश सभी हितधारकों- खरीदारों, विक्रेताओं, बाजारों और नियामकों के लिए स्पष्टता लाएंगे कि अनुचित व्यापार गतिविधियों के रूप में क्या स्वीकार्य नहीं है। इनका उल्लंघन करने वाला उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उत्तरदायी होगा। ग्राहकों को लुभाने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियां कई तरीके अपनाती हैं, जैसे कई बार ग्राहकों के शॉपिंग कार्ट में कोई प्रोडक्ट खुद-ब-खुद जुड़ जाता है। कई बार लोगों को ऑर्डर करने से पहले प्रोडक्ट से जुड़े अन्य फीस या खर्चों के बारे में नहीं बताया जाता। कई बार लोगों को ललचाने के लिए उनके वॉलेट में पैसे एड किए जाने का मैसेज भेजा जाता है। कई बार किसी खास प्रोडक्ट पर डिस्काउंट के लिए 'सिर्फ एक घंटे का समय बचा है' लिखा होता है। इस तरह के शोषण से बचाने के लिए यह कदम सरकान ने उठाया है।

अतीक हत्याकांड के छह आरोपी अभी भी नहीं पकड़ाए, कई एजेंसियां कर रही काम

लखनऊ। कईं इजेंसियों के काम करने के बावजूद भी अतीक हत्याकांड के छह आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर बने हुए हैं। गौरतलब है कि वकील उमेश पाल, गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की हत्याएं इस साल उत्तर प्रदेश के सबसे चर्चित अपराध मामलों में से एक रही हैं। फरवरी में प्रयागराज में उमेश पाल की हत्या हुई थी, जबकि अप्रैल में उसी शहर में अतीक और अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कई एजेंसियों द्वारा मामलों की छानबीन करने के बावजूद छह मुख्य आरोपी अभी भी पुलिस की पहुंच से बाहर हैं। छह वांछित व्यक्तियों में शूटर साबिर, गुड्डू मुस्लिम, अरमान और तीन महिलाएं शाइस्ता परवीन, जैनब और आयशा नूरी शामिल हैं, सभी पर साजिश रचने का मामला दर्ज किया गया है। जहां गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर के सिर पर 5-5 लाख रुपये का नकद इनाम है, वहीं शाइस्ता परवीन पर भी 50,000 रुपये का इनाम है। जैनब (मारे गए अशरफ की पत्नी) और आयशा नूरी (अशरफ की बहन) के सिर पर कोई नकद इनाम नहीं है। गौश्रतलब है कि 24 फरवरी को बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह वकील उमेश पाल सुलेमसराय इलाके में उनके आवास के बाहर हत्या कर दी गई थी। हालांकि, पुलिस ने कथित तौर पर गोलीबारी में शामिल असद (अतीक अहमद का बेटा), गुलाम (शूटर), उस्मान उर्फ विजय (शूटर) और अरबाज सहित चार मुख्य आरोपियों को अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराने का दावा किया है, सनसनीखेज गोलीबारी के बाद से पुलिस को अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि तीन प्रमुख शूटर, जिनमें गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान शामिल हैं, कहां हैं। मामले की जांच में शामिल एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार निशानेबाजों का मुख्य रूप से पता नहीं चल पाया है क्योंकि वे अब मोबाइल फोन का उपयोग नहीं कर रहे हैं जिससे उन्हें ट्रैक करने में मदद मिल सकती थी।

परीक्षा केंद्र में मोबाइल मिलने पर होगी 10 साल की जेल

- शिक्षा मंडल ने पेपर लीक से बचने बनाई रणनीति

भोपाल । पिछले साल की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने का सबसे बड़ा कारण मोबाइल था। इसलिए इस बार परीक्षा केंद्र में मोबाल पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। इसके बाद यदि किसी के पास मोबाइल पाया जाता है तो दस साल तक की सजा होगी। यह कहना है मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के सचिव केडी त्रिपाठी का। गौरतलब है कि साल 2022 की बोर्ड परीक्षा में मोबाइल फोन के माध्यम से पेपर लीक किए गए थे। इस कारण शिक्षा मंडल भोपाल को बदनामी का सामना करना पड़ा था। डूबती प्रतिष्ठा को उभारने के लिए इस बार मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने मोबाइल पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं और कहा है कि यदि मोबाइल मिलता है तो उसे दस साल तक की सजा का प्रावधान रहेगा। केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक सहित किसी भी स्टाफ को मोबाइल रखने की इजाजत नहीं होगी। इसके साथ ही उन्हें मंडल की परीक्षा कार्य से डिबार भी किया जाएगा। कैंद्र में सूचनाओं के अदान-प्रदान के लिए लैंड लाइन फोन लगाए जाएंगे, लेकिन मोबाइल के लिए केंद्र के बाहर एक लोहे की पेटी रखी जाएगी, जिसमें सभी फोन जमा कर रख दिए जाएंगे। ईमेल के जरिये मंडल की कंट्रोलिंग की जाएगी। इसके साथ ही आफलाइन प्रक्रिया भी बंद रहेगी और आनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाएगी। गौरतलब है कि इस साल बोर्ड परीक्षा में तकरीबन 17 लाख विद्यार्थी शामिल होने वाले हैं। इसके लिए मंडल व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में लगा हुआ है।

कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने की वजह से विधानसभा चुनाव के ये परिणाम आए : माकपा

पलक्कड़। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने हिंदी पट्टी के तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को जीत की ओर बढ़ता देख रविवार को कहा कि भाजपा को हराने के लिए अकेले चुनाव लड़ने के कांग्रेस के निर्णय के कारण ये परिणाम सामने आए हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के घटक दल माकपा ने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस में 'अंदरूनी कलह', 'सत्ता की भूख' और उसके कुछ नेताओं के 'भाजपा के गुप्त एजेंट' के रूप में काम करने के कारण राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के नतीजे प्रभावित हुए। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यहां नव केरल सदास कार्यक्रम में एक बड़ी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब उन तीन राज्यों में भाजपा जैसे दुश्मन से सामना होना था, तो जितना संभव हो सकता था संयुक्त मोर्चा बनाना चाहिए था। विजयन ने कहा, ऐसा करने के बजाय, कांग्रेस ने सोचा कि वह पहले ही जीत चुकी है, वह एक बड़ी शक्ति है और उसे कोई नहीं हरा सकता। यही सोच उसे वर्तमान पतन की ओर ले गई। उन्होंने कहा कि उन राज्यों में चुनावों की घोषणा के बाद, सभी गणनाओं से संकेत मिला था कि लोग नहीं चाहते कि भाजपा वहां सत्ता में आए और भगवा पार्टी के लिए एक बड़ा झटका सुनिश्चित करना संभव था। विजयन ने कहा हालांकि कांग्रेस सभी धर्मनिरपेक्ष ताकतों को एकजुट करने के लिए तैयार नहीं थी और इस रुख के परिणामस्वरूप वर्तमान स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस के नेता कमलनाथ ने सांप्रदायिक कृत्यों का विरोध करने के बजाय उनका समर्थन करके मध्य प्रदेश में भाजपा की 'बी' टीम के रूप में काम किया।

भारत में होने वाले एक्सीडेंट की घटना के लिए नितिन गडकरी ने खराब इंजीनियरिंग को बताया दोषी

गांधीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को यहां कहा कि भारत में हर साल पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती है, जिनका एक कारण अक्सर दोषपूर्ण सड़क इंजीनियरिंग होती है। गडकरी ने इंजीनियरों से जीवन बचाने के लिए दुर्घटना संभावित सड़कों की इंजीनियरिंग के दोष दूर करने का आग्रह किया।

भारतीय सड़क कांग्रेस के 82वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गडकरी ने गुणवत्ता से समझौता किए बिना वैकल्पिक सामग्री और नवीनतम तकनीक का उपयोग करके निर्माण लागत कम करने और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा,'भारत में सालाना पांच लाख दुर्घटनाएं और डेढ़ लाख लोगों की मौत होती है जबकि तीन लाख लोग घायल होते हैं। इससे देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को तीन प्रतिशत का नुकसान होता है। बलि के बकरे की तरह, हर दुर्घटना के लिए वाहन चालक को दोषी ठहरा दिया जाता है। मैं आपको बता दूं कि अक्सर दुर्घटनाएं सड़क की गलत इंजीनियरिंग की वजह से होती हैं।'

उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण करते समय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उनकी ठीक से इंजीनियरिंग की जाए। गडकरी ने कहा, ÷मैं भी एक दुर्घटना का शिकार हो गया था और मेरी चार हड्डियां टूट गई थीं। कई लोग मर रहे हैं। दुर्घटना में होने वाली मौतों में 60 प्रतिशत मौतें 18 से 34 वर्ष की आयु के लोगों की होती हैं और उनमें से कई इंजीनियर और डॉक्टर हो सकते हैं। क्या यह देश के लिए अच्छा है ? क्या आप इंजीनियर के तौर पर स्वत-संज्ञान लेते हुए दुर्घटना के कारणों को दूर कर सकते हैं? मैं आपसे दोषपूर्ण इंजीनियरिंग के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए काम करने का अनुरोध करता हूं।

पीएम मोदी पर कटाक्ष करना पड़ा महंगा : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली । हिंदी बेल्ट के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा जीतती दिख रही है। इसीलिये भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह है। वह लगातार जश्न मना रहे हैं। हालांकि कांग्रेस तेलंगाना में सरकार बनाने की स्थिति में है। उत्साहित भाजपा नेता मीडिया में बयान दे रहे हैं। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने फिर गांधी परिवार पर निशाना साधा है। स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर जनता ने जो भरोसा दिखाया है। भाजपा के कार्यकर्ता होने के नाते हम जनता के प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने जिस प्रकार की अभद्र टिप्पणियां प्रधानमंत्री मोदी पर कीं जिस प्रकार का कटाक्ष विपक्ष के नेताओं ने पीएम मोदी पर किया वो कटाक्ष गांधी परिवार को महंगा पड़ा है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह जीत खास है। देश को प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास है। इन चुनावों में यह उभरा है कि लोग डबल इंजन की सरकार चाहते हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की गारंटियां फेल हो गईं। भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर वापस मुहर लगी है। विपक्ष ने जितना कीचड़ उछाला, उतना ही मोदी जी निखर कर आए और उतना ही कमल खिला है। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के 4 राज्यों की जनता ने फिर एक बार अपना आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया है। ये सामान्य विजय नहीं है। मध्य प्रदेश में भाजपा की ऐतिहासिक बढ़त हुई है। प्रधानमंत्री मोदी हैं तो मुमकिन है। देश का हर युवा, महिला, हर गरीब आज इस बात से सहमत हो चुका है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी उम्मीदवार नरेंद्र सिंह तोमर का कहना है कि मध्य प्रदेश में शानदार जीत के लिए मैं राज्य की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं। ये पीएम मोदी की लोकप्रियता की जीत है।

करीब चार दशक से गैस त्रासदी के दुष्परिणाम भुगत रहा भोपाल

-39वीं बरसी पर संबंधित संगठनों ने मशाल जुलूस निकालकर प्रभावितों के समर्थन में किया नारेबाजी

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश की राजधानी स्थित अमरीकी कंपनी यूनियन कार्बाइड कारखाने से 2 और 3 दिसंबर 1984 की दरम्यानी रात्रि विषैली मिथाइल आइसो सायनाइड गैस के दुष्परिणाम करीब चार दशक में भी थमता नजर नहीं आ रहा। यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की कमी पर फैक्ट्री संचालकों और प्रशासन की निष्क्रियता के चलते भोपाल रेलवे स्टेशन से करीब दो किलोमीटर की दूरी पर घनी आबादी के बीच यूनियन कार्बाइड संयंत्र से करीब 35 टन मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव से छह लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए।

भोपाल के एक प्रबुद्ध नागरिक ने बताया कि विश्व इतिहास की सबसे भीषण औद्योगिक आपदाओं में शामिल इस त्रासदी से करीब दो वर्ष पहले भी वहां छोटे पैमाने पर रिसाव की घटना घट चुकी थी जिसमें एक कर्मचारी को जान गंवानी पड़ी थी।

मृतकों का सरकारी आंकड़ा भले ही करीब 3800 है लेकिन विभिन्न अनुमानों के मुताबिक तकरीबन 15000 लोगों की जान लेने वाले इस आपराधिक घटनाक्रम के 39 साल बाद भी हजारों की तादाद में गैस पीड़ित सांस की बीमारियों तथा अल्सर एवं विकलांगता से जूझ रहे हैं। बहुत बड़ी तादाद में जहरीला कचरा आज भी आसपास के इलाके के रहवासियों के लिए जोखिम बना हुआ है।

विश्व की भीषणतम गैस त्रासदी में शुमार भोपाल गैस त्रासदी की 39वीं बरसी में शनिवार को भोपाल शहर में गैस पीड़ितों के बीच काम करने वाले संगठनों ने यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री तक मशाल जुलूस निकालकर इससे प्रभावित लोगों की बुनियादी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की।

इस दौरान भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी ने कहा, 'यूनियन कार्बाइड और डॉव केमिकल्स ने गैस पीड़ितों के बच्चों में जन्मजात विकृतियों और उनके स्वास्थ्य को पहुंचे नुकसान के लिए अब तक कोई मुआवजा नहीं दिया है। कंपनी ने कारखाने से पांच किलोमीटर दूर तक मिट्टी और भूजल प्रदूषण के लिए भी कोई हर्जाना नहीं चुकाया है।'

भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन ऐंड एक्शन की रचना ढींगरा ने कहा, 'सर्वोच्च न्यायालय का सन 1991 को आदेश साफ कहता है कि केंद्र सरकार को गैस पीड़ितों के मुआवजे की कमी का भुगतान करना चाहिए। जब सरकार यूनियन कार्बाइड की हर्जाना राशि को अपर्याप्त बता चुकी है तो उसे गैस पीड़ितों को उनके हक का हर्जाना देना चाहिए।'

'भोपाल गैस कांड के आपराधिक मामले में इस वर्ष अक्टूबर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि तब हासिल हुई जब गत तीन अक्टूबर को 18 वर्षों में पहली बार द डॉव केमिकल कंपनी ने एक भगोड़े को शरण देने के आरोप में भोपाल जिला अदालत की ओर से जारी समन का जवाब दिया। यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन को 1992 में गैर इरादतन हत्या तथा अन्य आरोपों में भगोड़ा घोषित किया गया था। सन 2001 में डॉव केमिकल ने इस कंपनी का अधिग्रहण कर लिया था।' बीते 27 सालों से गैस पीड़ितों को निशुल्क चिकित्सा उपलब्ध करा रहे भोपाल के संभावना ट्रस्ट क्लीनिक में पंजीयन का काम करने वाले नितेश दुबे के अनुसार आज भी करीब डेढ़ लाख लोग गैस जनित पुरानी बीमारियों से जूझ रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल का दावा: लोकसभा चुनाव में पंजाब की सभी सीटें जीतेंगे

गुरदासपुर (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का दावा है कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीटें जीतेगी। इसकी वजह बताते हुए केजरीवाल ने कहा है पंजाब में जिस तरह से विकास कार्य हो रहे है उससे राज्य में खुशहाली आई है। पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी के कार्यों से काफी खुश है। इसलिए यहां की सभी लोकसभा सीटों पर जनता का अशीर्वाद आप को मिलेगा। केजरीवाल गुरदासपुर में आयोजित विकास क्रान्ति रैली में बोल रहे थे।

सरहदी जिलों गुरदासपुर और पठानकोट के विकास को बढ़ावा देने के लिए 1854 करोड़ के प्रोजेक्टों का उद्घाटन भी किया गया। इस मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के लोगों का इतनी बड़ी संख्या में यहां एकत्रित होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस धरती को गुरू साहिबान की बख़्शीश है और यहाँ के लोग स्वभाव पक्ष से बहादुर और मेहनती हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि चाहे इस इलाके से चुने हुए नेता हमेशा अहम पदों पर रहे परन्तु उन्होंने कभी भी इस क्षेत्र और इसके लोगों के विकास की परवाह नहीं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों की भलाई के उद्देश्य वाले प्रोजेक्टों को राज्य सरकार की तरफ से सबसे अधिक प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले समय में प्रोजैक्ट सिर्फ़ कागज़ों तक सीमित रहते थे और उनका आम लोगों की भलाई के साथ कोई सरोकार नहीं था।

सीएम मान ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रशासनिक कामकाज में आर्टीफिशल इंटेलिजेंस के प्रयोग की शुरुआत की है, जिससे सिर्फ़ सड़कों के तख़मीनों (मरम्मता आ आंकलन) में से ही सरकार ने 163.26 करोड़ रुपए की बचत की है और 546 किलोमीटर ऐसी सड़कों का पता चला है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी के पैसे की यह लूट रुकी है और अब करदाताओं का पैसा निगलनें वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की नीतियों के कारण लोग हमेशा हमारी पार्टी की हिमायत करते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोगों के प्यार के कारण ही पार्टी को अपने अस्तित्व के केवल 11 सालों में ही राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नौजवानों के लिए नौकरियों के मौके, मानक शिक्षा और लोगों के लिए अच्छी सेहत सहूलतें, औद्योगिक और अन्य क्षेत्रों के लिए अधिक से अधिक निवेश जुटा कर 'रंगला पंजाब' बनाने के लिए पूरी शिद्दत के साथ कोशिशें कर रही है।

विभाजन के कारण कई जिंदगियां गंवाई : बीरेन सिंह

-मुख्यधारा में शामिल यूएनएलएफ के स्वागत में आयोजित समारोह

इम्फल (एजेंसी)। मणिपुर में शांति पहल संबंधी त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर के चार दिन बाद शनिवार को उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) कैडरों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए राज्य सरकार ने स्वागत समारोह आयोजित किया। इंफाल के कांगला में आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इसे प्रेरक बताते हुए अन्य उग्रवादी संगठनों से भी शांति प्रक्रिया में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शांति प्रक्रिया में शामिल होने के इच्छुक किसी भी संगठन के लिए सरकार सुविधा प्रदाता के रूप में काम करने को तैयार हैं। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और सलाह के तहत यूएनएलएफ के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर प्रक्रिया में लगभग तीन साल लग गए। सिंह ने उचित सत्यापन के बिना सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना फैलाने के खिलाफ भी अपील करते हुए कहा कि इससे समाज में शांति भंग हो सकती है। मुख्यमंत्री ने लोगों से माफ करने और भूल जाने के अपने पहले के आह्वान को दोहराते हुए कहा कि हम लंबे समय से विभाजित होकर रह रहे हैं और विभाजन के कारण हमने कई कीमती जिंदगियां खो दी हैं, आइए, हम बलिदान देना सीखें।

अयोध्या में श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनकर तैयार

-रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले शुरु होंगी उड़ानें

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में बन रहा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट लगभग बनकर तैयार है। इसके प्रथम चरण का निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। इस एयरपोर्ट के टर्मिनल का डिजाइन राम मंदिर जैसा है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले इसकी सेवाएं शुरु कर दी जाएगी। कल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हवाई अड्डे का निरीक्षण किया।

कल सीएम योगी व केंद्रीय मंत्रियों ने हवाई अड्डे के निर्माण से जुड़े प्रस्तुतिकरण को देखा और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि अयोध्या में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। अयोध्या में पहले मात्र 178 एकड़ में छोटी सी हवाई पट्टी थी जिसे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में तैयार किया गया है। 821 एकड़ भूमि राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराने के बाद भारतीय विमानपत्तन

प्राधिकरण द्वारा नये हवाई अड्डे का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप नये भारत की नयी अयोध्या बन रही है। अयोध्या के विकास कार्यों एवं समीक्षा के लिए वह समय-समय पर अयोध्या आते रहते हैं। देश और दुनिया के साथ अयोध्या की कैसी कनेक्टिविटी होनी है इसके लिए वह केंद्रीय नागर विमानन मंत्री व केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री के साथ अयोध्या हवाई अड्डे का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री के निर्देशन में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अयोध्या हवाई अड्डे के निर्माण कार्य को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ा रही है। साथ ही श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मन्दिर के लोकार्पण के पूर्व अयोध्या को वायु सेवा से जोड़ने के जिस लक्ष्य को लेकर वह चले हैं।

चक्रवाती तूफान मिगजॉम में बदला, इसके 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश से टकराने की आशंका

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरा दबाव क्षेत्र रविवार को चक्रवाती तूफान मिगजॉम में बदल गया है। इसके 5 दिसंबर तक दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान 80-90 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चल सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुलेटिन में यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस चक्रवात के कारण दक्षिणी ओडिशा के अधिकतर हिस्सों में एवं राज्य के तटीय क्षेत्र में भारी बारिश की संभावना है।

चक्रवात मिगजॉम नाम म्यांमा ने सुझाया है और इसका अर्थ ताकत या लचीलापन है। मौसम एजेंसी ने कहा कि दबाव क्षेत्र के कारण बनी प्रणाली पिछले 6 घंटों में 5 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ी और एक चक्रवाती तूफान में बदल गई। जो सुबह साढ़े 5 बजे पुडुचेरी से लगभग 300 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, चेन्नई से 310 किलोमीटर दक्षिणपूर्व, नेल्लोर से 440 किलोमीटर दक्षिणपूर्व, बापटला से 550 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और मछलीपट्टनम से 550 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में केंद्रित थी।

इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए और तेज होने और 4 दिसंबर की दोपहर तक दक्षिणी आंध्र प्रदेश और उत्तरी तमिलनाडु तटों के पास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में पहुंचने की संभावना है। बुलेटिन में कहा गया है कि इसके बाद यह उत्तर की ओर दक्षिणी आंध्र प्रदेश तट के लगभग समानांतर एवं करीब बढ़ेगा तथा पांच दिसंबर को पूर्वाह्न में 80-90 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से एक चक्रवाती तूफान के रूप में नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश तट से टकराएगा।

इसके प्रभाव से ओडिशा में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी तथा 4 से 6 दिसंबर के दौरान दक्षिण तटीय और आसपास के दक्षिण आंतरिक ओडिशा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 5 दिसंबर को उसी क्षेत्र में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र भुवनेश्वर के एक अधिकारी ने कहा कि इसके प्रभाव से ओडिशा में 3 दिसंबर को बारिश फिर से शुरू हो सकती है।

उन्होंने कहा कि रविवार को तटीय ओडिशा, नबरंगपुर, कालाहांडी और कंधमाल जिलों में एक या दो स्थानों पर या मलकानगिरी, कोरापुट, रायगडा, गजपति और गंजाम में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी। राज्य में 4 दिसंबर को मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति और गंजाम में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना के मद्देनजर आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने बताया कि इसी तरह से मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति, गंजाम एवं पुरी में कई स्थानों पर मध्यम बारिश और गरज के साथ वर्षा का अनुमान है। कंधमाल, नबरंगपुर, कालाहांडी, नयागढ़, खुर्दा, जगतसिंहपुर और कटक में कुछ स्थानों

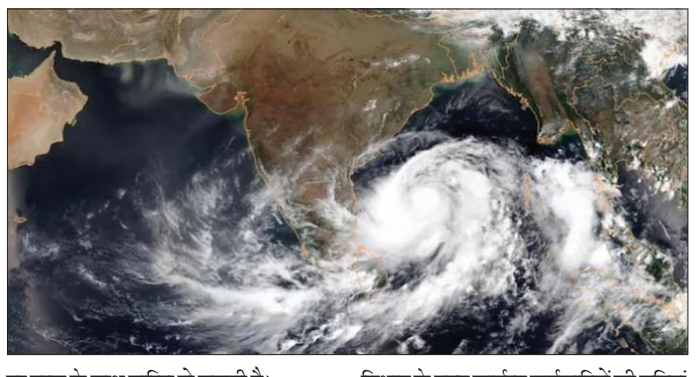

पर गरज के साथ बारिश हो सकती है।

आईएमडी ने 5 दिसंबर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उसने पूर्वानुमान जताया कि मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति और गंजाम के 5 जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। राज्य सरकार ने सभी तटीय और दक्षिणी जिलाधिकारियों को अलर्ट पर रखा है। कृषि विभाग के तहत कार्यरत कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। ईसीओआर ने बारिश और हवा की संभावना को देखते हुए अपने अधिकार क्षेत्र में 54 ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे अगली सूचना दिए जाने तक समुद्र में न जाएं क्योंकि समुद्र में स्थिति बेहद खराब रहेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

फायर सेफ्टी नहीं रखने वालों पर गिरेगी गाज, फायर डिपार्टमेंट ने फ्रेंड्स क्लासेज की 5 शाखाएं सील कीं

फायर सेफ्टी सिस्टम होने के बावजूद एनओसी नहीं लेने पर दमकल विभाग द्वारा सीलींग की कार्यवाही

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम का अग्निशमन विभाग पिछले कुछ दिनों से उन व्यावसायिक परिसरों को सील करने के लिए अभियान चला रहा है जिनमें अग्नि सुरक्षा उपकरणों की कमी है, पहले होटल, फिर कपड़ा बाजार और अब प्रसिद्ध ट्यूशन कक्षाएं। आज अग्निशमन विभाग ने फ्रेंड्स क्लासेज की ५ शाखाओं को सील कर दिया है।

सूरत में अग्निशमन विभाग ने पिछले ४-५ दिनों से फायर सेफ्टी और एनओसी नहीं लेने वालों पर कार्रवाई की है। इससे पहले आज रांदेर जोन क्षेत्र में स्थित फ्रेंड्स क्लासेज की शाखाओं को नोटिस दिया गया था। हालांकि उनके पास फायर सेफ्टी सिस्टम उपलब्ध था, लेकिन फायर एनओसी नहीं ली गई थी। इसलिए उन ५ शाखाओं को सील कर दिया गया, जिन्होंने अग्निशमन विभाग से एनओसी नहीं ली थी।

कल दो स्थानों पर सील की कार्रवाई

कल नानपुरा में पानवाला कलासियां और सैयदपुरा में पर्सनल कोचिंग क्लासिस सील कर दी गईं। सर्वे के दौरान दोनों ने फायर की एनओसी नहीं ली। पानवाला में निकास द्वार नहीं है, जबकि पर्सनल क्लास में फायर सिस्टम नहीं है, दोनों क्लास में ऐसी कई खामियां मिलीं। फायर की ओर से दोनों वर्गों को बार-बार नोटिस दिया गया और फायर के नियमों का पालन करने की सलाह दी गयी। हालाँकि फायर विभाग की नोटीस को नजरअंदाज किए जाने पर, अंतत: सील मार दिया।

फ्रेंड्स क्लासेज की कौन सी शाखाएं सील कर दी गईं

१.दीनदयाल सोसायटी पालनपुर रोड (३ मैन गेट सील)
२. भक्तिवेदांत सोसायटी हनी पार्क रोड अडाजण (मैन गेट सील)
३. सुमन फ्लैट रांदेर रोड (४ कमरे की सील)
४. एल. पी. सावनी रोड अडाजण (मुख्य गेट सील चौथी मंजिल)
५. राज विक्टोरिया तीसरी मंजिल पाल विलेज (३ कमरे सील चौथी मंजिल)

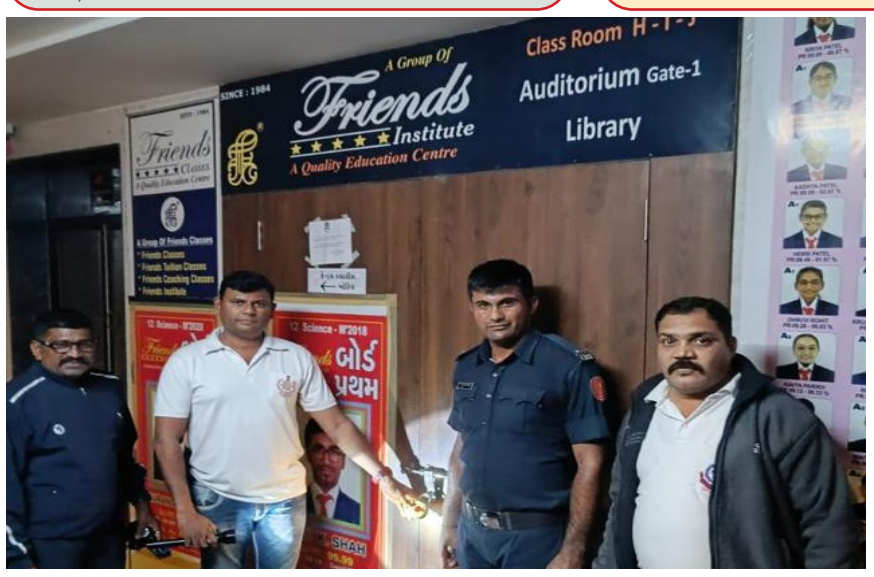

आभवा के बुजुर्ग को पड़ोसी को डांटना पड़ा भारी

कार टकराने पर पडोशी के डांटने की मामूली बात की दुश्मनी रखते हुए हमला किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के अभावा गांव के गणेश फलिया में रविवार सुबह दिल दहलाने वाली घटना घटी। यहां दोनों परिवारों के बीच मारामारी हो गई थी। साथ ही इस लड़ाई में धारिया जैसे हथियारों से हमला किए जाने के बाद मोहल्ले में डर का माहौल देखा गया। इस मारपीट में दोनों पक्षों के लोग घायल हो गए और उन्हें सिविल में ले जाया गया।

पीड़ित संजय पटेल के परिजन ने बताया कि दो दिन पहले पडोशी के बेटे ने कार से टक्कर मारने के दौरान उसे डांटा था। इसी के विरोध में आज सुबह यह हमला किया गया है। संजयभाई और भतीजा रोमील गंभीर रूप से घायल हो गए। धारिया से गला काटने का हमला किया गया है, उम्मीद है हमें न्याय मिलेगा।

संजय पटेल के भाई केतन पटेल ने बताया कि घटना आज रविवार सुबह की है। उसकी भाभी लताबेन घर की सफाई कर रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले शराब तस्कर मनोज मोहन और उसके परिवार ने हमला कर दिया। पत्नी को बचाने के प्रयास में संजय भाई भी घायल हो गये। साथ ही बचाने दौड़े बच्चों में से २२ वर्षीय बेटे दीप पर भी चाकू से वार कर दिया।

बाद में भतीजे रोमिल को भी सरेआम पीटकर लहूलुहान कर दिया गया। संजयभाई इंटरनेशनल शिपिंग का काम करता है। साथ ही वह कुछ दिन पहले ही विदेश से घर लौटे थे।

आगे बताया कि दो दिन पहले पड़ोस में रहने वाले मनोजभाई तेज रफ्तार से कार लेकर कहीं जा रहे थे। इसी दौरान संजय भाई के बेटे को टक्कर मारी। पूरे मामले में संजय पटेल ने उसे टक्कर मारने के लिए डांटा। इसी बात को लेकर पड़ोसी मनोजभाई और उनका परिवार एकजुट होकर मारपीट पर उतारू हो गया। हालांकि मोहल्ले के लोगों की मध्यस्थता के बाद मामला शांत हो गया।

लेकिन पिछली लड़ाई की दुश्मनी रखते हुए रविवार की सुबह संजय पटेल और उसके परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले में संजय भाई की कमर में चाकू लगा, उनके बेटे दीप की पीठ पर चोट लगी है। रोमिल के चेहरे पर चोट लगी थी। साथ ही केतन पटेल के भाई की पत्नी लताबेन की भी पीटाई की गई है।

रोमिल जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित हैं। साथ ही इसे दो बार बाइपास भी किया जा चुका है। इस बात की जानकारी पड़ोसी को होने के बावजूद भी उसे सरेआम पीटा गया।

भाजपा कार्यालय पर विधानसभा जीत का जश्न, मिठाइयाँ खिलाकर पटाखे फोड़े गए

चार राज्यों के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी की तीन राज्यों में सरकार : सी.आर. पाटिल

सूरत भाजपा कार्यालय पर जश्न मनाते कार्यकर्ता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

देश के पांच राज्यों में लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं। रविवार को राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ और तेलंगाना सहित चार राज्यों के नतीजे आ चुंके है मिजोरोम के नजीते सोमवार को घोषित होंगे। पांच राज्यो के विधानसभा चुनाव में हर राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से चुनाव मैदान में ताकत झोंक रहा था। देशभर में लोगों का फोकस खासतौर पर राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश पर रहा। इन तीनों राज्यों के अंदर भारतीय जनता पार्टी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

आज के नतीजे को लेकर गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने कहा कि दुनिया के साथ-साथ भारत के नागरिकों ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वैश्विक नेता के रूप में स्वीकार किया है। तीनों राज्यों में बीजेपी के मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। इसके साथ ही पटाखे फोड़कर ३ राज्यों की जीत का जश्न भाजपा मना रही है। बीजेपी कार्यकर्ता एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दे रहे हैं।

नवसारी जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के नतीजों का जश्न मनाया। सी. आर. पाटिल ने कहा कि चार राज्यों के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी तीन राज्यों में सरकार बनाने जा रही है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारी बहुमत से जीत हुई है. छत्तीसगढ़ भी जीत लिया है।

सूरत भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में तीन राज्यो में मिली जित का जश्न मनाया गया। विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। कार्यकर्ताओं-नेताओं ने अपने उत्साह को व्यक्त करने के लिए मिठाइयां खिलाकर और पटाखे फोड़कर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। लोकसभा चुनाव से पहले नतीजों ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं-नेताओं में काफी उत्साह पैदा कर दिया है।

राजस्थान में शुरू से ही काफी उत्साह था। छत्तीसगढ़ में भी एकतरफा नतीजे की चर्चा थी, लेकिन वहां कांग्रेस की जगह भारतीय जनता पार्टी ही नजर आई है। इस नतीजे से राजनीतिक तौर पर भी काफी चर्चा शुरूहो गई है। जिस तरह के एग्जिट पोल आए उनमें राजस्थान के अंदर बीजेपी और कांग्रेस के बीच काफी कड़ी टक्कर दिखाई गई, लेकिन नतीजे बिल्कुल उलट आए हैं। भारतीय जनता पार्टी को सीधे बहुमत मिलने के नतीजे सुबह से ही देखने को मिले।

प्रधानमंत्री को गरीबों, शोषितों, वंचितों की चिंता है: संघवी

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा छोटे से छोटे व्यक्ति की चिंता करते हैं। जो लोग लंबे समय से नफरत की राजनीति कर रहे हैं और जो लोग खुलकर बात कर रहे हैं उन्हें इस चुनाव में जवाब मिल गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंचितों, पीड़ितों, महिलाओं, युवाओं के लिए संघर्ष किया है। देश को आगे बढ़ाने के लिए दिन-रात प्रयास कर रहे लोग उनके साथ खड़े हैं। भारतीय जनता पार्टी नये भारत के सपने को साकार करने के लिए आगे बढ़ रही है।

ये लोकसभा चुनाव का ट्रेलर: प्रफुल्ल पानशेरिया

शिक्षा मंत्री प्रफुल्ल पंसेरिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन हमेशा जमीनी स्तर पर काम करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को जो विकास की गति दी है, उससे लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वैश्विक स्तर पर भी स्वीकार्यता मिल रही है।

आने वाले दिनों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बीजेपी के मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। आगामी २०२४ का लोकसभा चुनाव का यह तो महज एक ट्रेलर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारी बहुमत से प्रधानमंत्री बनेंगे।

बंद घर से 25 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और 50 हजार नकदी समेत लाखों की चोरी

पांडेसरा के वडोदगांव का परिवार बीमार पत्नी के साथ एक निजी अस्पताल में था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में वडोदगांव के पांडेसरा में चोरों द्वारा एक बंद घर में घुसकर २५ तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और ५० हजार नकद समेत लाखों की चोरी करने की घटना सामने आई है। चोरी के शिकार पीड़ित ने बताया कि घटना एक दिसंबर की आधी रात की है। पूरा परिवार बीमार पत्नी के साथ एक निजी अस्पताल में था। इस दौरान ऐसा लगता है कि किसी जानने वाला ने ही लाखों की चोरी की है। पीडित इंडो स्टार होम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं फिलहाल पुलिस शिकायत दर्ज कर जांच कर रही है।

अजयभाई राजनाथ राजपूत ने कहा कि वह आकाश दर्शन रो हाउस पांडेसरा में रहते हैं और उनका मूल गांव-भोजपुर, उत्तर प्रदेश है। २८ नवंबर को शादी समारोह के बाद पत्नी बीमार पड़ गईं और १ दिसंबर को उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इतना ही नहीं बल्कि पूरा परिवार को पुत्र कविराज उम्र ४ साल के साथ रात अस्पताल में गुजारनी पड़ी। सुबह जब वे अपने मासूम बेटे को लेकर घर आ रहे थे तो मुख्य दरवाजे का कुंडा टूटा हुआ मिला। बाद में घर में तिजोरी भी खुली मिली। आभूषण और नकदी समेत सभी कीमती सामान गायब थे। उन्होंने आगे कहा कि वह पिछले पांच साल से इस घर में रह रहे हैं और ५ महीने से इंडो स्टार होम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड में हैं। वह एक नामित कंपनी में रिलेशनशिप मैनेजर के रूप में काम कर रहा है और परिवार की आजीविका चला रहा है। बीमार पत्नी और मासूम बेटे की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। पत्नी सपना के इलाज के कारण मेरे परिवार को अस्पताल में रहना पड़ा।

अगले दिन दोपहर करीब बारह बजे वह अपने बेटे के साथ घर आये। घर में प्रवेश करने पर सभी सामान अस्त-व्यस्त हालत में मिले। शयनकक्ष में रखी लोहे की तिजोरी के दरवाजे का ताला भी टूटा हुआ था। २५ तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी, ५० हजार नकद, नकद रूपये के गिफ्ट कवर, बच्चों के चांदी के आभूषण, दो मोबाइल फोन, एक आईपैड, टीवी सहित लाखों की चोरी हुई। पांडेसरा पुलिस ने शिकायत ले ली है और जांच कर रही है।

स्मीमेर में सीपीआर प्रशिक्षण शिविर आयोजित,2400 शिक्षकों को प्रशिक्षण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य में दिल के दौरे की बढ़ती संख्या को देखते हुए शहर की स्वास्थ्य प्रणाली ने एक नई पहल की है। रविवार को स्मीमेर अस्पताल में शिक्षकों के लिए कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस बीच २४०० शिक्षकों ने सीपीआर प्रशिक्षण प्राप्त किया। साथ ही इस मौके पर शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया और जनजातीय विकास राज्य मंत्री कुंवरजीभाई हलपति भी मौजूद रहे।

इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि सीपीआर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए यह अभियान चलाया गया है। साथ ही, मुझे उम्मीद है कि आज सूरत के शिक्षक सीपीआर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और कक्षा में अपने छात्रों को सीपीआर प्रशिक्षण देंगे। जब किसी व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ता है, तो तत्काल उपचार से व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। साथ ही, जब दिल का दौरा पड़ता है और सांस लेने में दिक्कत होती है तो मरीज की जान बचाने के लिए कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन देना जरूरी होता है।

सूरत के शिक्षक सीपीआर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और कक्षा में अपने छात्रों को सीपीआर प्रशिक्षण देंगे

इस मौके पर जनजातीय विकास राज्य मंत्री कुंवरजीभाई हलपति ने कहा कि वह सबसे पहले एक शिक्षक हैं। क्योंकि उन्होंने वर्षों तक एक शिक्षक और प्रिंसिपल के रूप में कार्य किया है। साथ ही, शिक्षक समाज के निर्माता हैं। वे सीपीआर प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों को प्रेरित करेंगे। साथ ही जब किसी जरूरतमंद को सीपीआर की जरूरत होगी तो यह मददगार साबित होगा। ताकि राज्य सरकार का लाखों लोगों की जान बचाने का उद्देश्य पूरा हो सके। राज्य सरकार हर हाल में देश के नागरिकों की जान बचाने का प्रयास करती है। दिल के दौरे की संख्या बढ़ती दिख रही है, इसलिए अग्रिम तैयारी के तौर पर इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।

शिक्षा समिति के शिक्षक सीपीआर की ट्रेनिंग लेते हुए

आजकल बदलती जीवनशैली के कारण दिल के दौरे बढ़ रहे हैं। हर किसी को अपना डॉक्टर स्वयं बनना होगा। सभी को सीपीआर प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ऐसा भी अनुरोध किया गया। दिल का दौरा पड़ने के तुरंत बाद १०८ पर कॉल करने में आमतौर पर ५ से १० मिनट का समय लगता है। यदि उन ५ से १० मिनटों के दौरान मस्तिष्क तक रक्त नहीं पहुंच पाता है, तो रोगी की मृत्यु हो जाती है। इसे रोकने के लिए सीपीआर प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर विधायक प्रवीणभाई घोघरी, नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के अध्यक्ष धनेशभाई शाह, नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष स्वातिबेन सोसा, स्मिमेर अस्पताल के डीन डॉ. दीपक हाउले, स्मिमेर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जीतेंद्रभाई दर्शन सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। मेडिकल टीम सहित नगर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक मौजूद थे।